साध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" भाग्य कोई लिखा हुआ दस्तावेज नहीं है, इसे तो रोज-रोज स्वयं ही लिखना पड़ता है...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–217 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 26 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

टीईटी मुक्ति की मांग को लेकर दुर्ग में शिक्षकों की विशाल रैली, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा विसंगतियों, वेतन और पदोन्नति की समस्याओं का कर रहे सामना

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा दुर्ग ने शिक्षक संवर्ग की लंबित मांगों को लेकर TET मुक्ति विशाल रैली निकाली और मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव एवं संचालक लोक शिक्षण के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

जिला संयोजक शत्रुघन साहू, चंद्रशेखर तिवारी और कमल वैष्णव ने कहा कि एलबी संवर्ग के शिक्षक लंबे समय से सेवा विसंगतियों, वेतन और पदोन्नति की समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

मोर्चा की 5 प्रमुख मांगें

1. सेवारत शिक्षकों के लिए TET अनिवार्यता समाप्त कर सेवा सुरक्षा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 31 अगस्त 2028 तक समय दिए जाने के परिप्रेक्ष्य में पदोन्नति में TET बाध्यता खत्म हो।
2. पंचायत संवर्ग में प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर पुरानी पेंशन सहित सभी लाभ दिए जाएं।
3. लंबित वेतन विसंगतियों का निराकरण कर केंद्रीय वेतनमान लागू किया जाए।
4. 13 फरवरी 2026 के भर्ती एवं पदोन्नति राजपत्र में एलबी संवर्ग के हित में संशोधन किया जाए।
5. http://B.Ed. शिक्षकों के लिए ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की जाए।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से शामिल रहे

जयंत यादव, युवराज साहू, संतोष शर्मा, कृष्णाराज पांडेय, विवेकानंद ताम्रकार, मदन साटकर, घनश्याम देवांगन, माधव चेलक, अशोक सिन्हा, किशन देशमुख, चंद्रहास साहू, वीरेंद्र वर्मा, सरस्वती गिरिया, अमिता हरमुख, प्रताप धनकर, विजय बेलचंदन, तिलक सेन, अशोक देशमुख, योगेश वर्मा, किरण गौर, सुनीति तिवारी, संजय चंद्राकर, राहुल झा, तिलकचंद्र साहू, टीकमचंद्र साहू, नीलू थापा, सुप्रिया भुवाल, अदिया नामदेव, ओमप्रकाश पांडेय, भवानी देशमुख, वेदराम जांगड़े, महेश चंद्राकर, रोहित देशमुख, राजेश चंद्राकर, टिकेंद्र चंद्राकर, टामिन वर्मा, कमलेश्वरी कोठारी, रामबाई लहरिया, रितु मिश्रा, सरला मडरिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक संवर्ग उपस्थित रहे।

बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी, 16 आरोपियों पर 1200 पन्नों का चालान

चोरी के पैसों से भरा बिजली बिल और खरीदीं सोने की अंगूठियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस-3 विभाग से फ्लू डस्ट की आड़ में करीब 250 टन लोहा, सब्बेग, कटिंग प्लेट और बीम चोरी के बहुचर्चित मामले में भिलाई-3 पुलिस ने मास्टरमाइंड संजय सिंह समेत 16 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में 1200 पन्नों का चालान पेश किया है। एक आरोपी को मंगलवार को जमानत मिल गई, जबकि 6 आरोपी अब भी फरार हैं।

क्राइम ब्रांच के अनुसार जिनके खिलाफ चालान पेश हुआ है उनमें चिदानंद साहू, गोविंदा वर्मा उर्फ जोतेश, निर्मल सिंह, रवींद्र साहू, घनश्याम गुप्ता, इंद्र कुमार पटेल, मदन साहू, उपेंद्र उर्फ पिंटू वर्मा, आकाश कुमार सिंह, अमित शर्मा उर्फ कैलाश, संजय सिंह, तेजाराम निषाद उर्फ डड्डू, हिमांशु भूषण मलिक, मनोज देशलहरा और भास्कर मुदलियार शामिल हैं। आरोपी इंद्र कुमार पटेल को मंगलवार को जमानत मिली है।

वहीं मो. सलीम, विजेंद्र धुरिया, विष्णु कुमार, संजू यादव, उमाकांत पांडा और रवि उर्फ शिव कोटारिया फरार हैं। पुलिस ने जमानत पर बाहर हेमंत देवांगन, अभय सिंह, हिमांशु खंडेलवाल और गिरीश खंडेलवाल के खिलाफ भी साक्ष्य जुटाने की बात कही है।

कैसे होती थी चोरी -लोक अभियोजक राजेश त्रिपाठी के मुताबिक गिरोह ने स्क्रैप यार्ड से फ्लू डस्ट की आड़ में करोड़ों का लोहा बाहर निकालने की सुनियोजित व्यवस्था बनाई थी। एसएमएस-3 यार्ड से क्रेन चालकों की मदद से भारी स्क्रैप हाइवा वाहनों में लोड किया जाता था। फिर वाहनों को डंप यार्ड ले जाकर स्क्रैप को फ्लू डस्ट से ढक दिया जाता था। प्लांट गेट से बाहर निकलते समय वीटीएस और जीपीएस सिस्टम निकालकर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी जाती थी। इसके बाद वाहन अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के गोदाम और रायपुर के रसमड़ा स्थित प्लांट में खपाया जाता था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 3.22 करोड़ रुपये मूल्य के 10 से अधिक हाइवा, जेसीबी और पोकलेन मशीनें जब्त की हैं। करीब 67 लाख रुपये का 250 टन स्क्रैप भी बरामद हुआ है।

मास्टरमाइंड ने चोरी के पैसों से भरा बिजली बिल

संजय सिंह - मुख्य सूत्रधार, ट्रांसपोर्टरों से मिलकर चोरी करवाने का आरोप। उसके दो बैंक खातों में 2.78 लाख रुपये कैश मिले। चोरी के पैसों से 80 हजार का बिजली बिल भरने और बेटी के लिए दो सोने की अंगूठियां खरीदने का खुलासा।

मदन साहू और घनश्याम - क्रेन ऑपरेटर, एसएमएस-3 यार्ड से क्रेन के जरिए हाइवा में स्क्रैप लोड करते थे।

मितेश वर्मा और चिदानंद - स्क्रैप लदी गाड़ियों को डंप यार्ड तक पहुंचाने और पीटीएस सिस्टम निकालकर लोकेशन छिपाने की भूमिका।

ओम प्रकाश और सफीउद्दीन - जेसीबी ऑपरेटर, वाहन मालिक भास्कर मुदलियार के कहने पर एके ट्रेडर्स यार्ड में 40 टन चोरी का स्क्रैप लोड कराया।

निगम में बड़ा जमीन घोटाला : अफसरों ने 55 डिसमिल सरकारी जमीन 15 साल के लिए प्राइवेट एजेंसी को सौंपी

भिलाई नगर निगम की सामान्य सभा में बवाल, जांच के आदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम में सत्ता और व्यवस्था को हिलाकर रख देने वाला बड़ा घोटाला सामने आया है। निगम के अधिकारियों ने नगर पालिक अधिनियम और शासन के अधिकारों को दरकिनार करते हुए कुरूद स्थित गोकुल धाम की 55 डिसमिल कीमती सरकारी जमीन एक निजी एजेंसी वेवोम इंटरप्राइजेस को 15 साल की लीज पर दे दी। इसका खुलासा मंगलवार को सभापति गिरवर बंटी साहू की अध्यक्षता में हुई सामान्य सभा में हुआ।

महापौर नीरज पाल ने इसे गंभीर अनियमितता बताते हुए कहा कि - "अधिकारियों को एक इंच जमीन एक दिन के लिए भी देने का अधिकार नहीं है, ये तो 15 साल के लिए दे आए। ये राज्य शासन से भी बड़े हो गए हैं।" सदन ने सर्वसम्मति से दोषी अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई का प्रस्ताव पारित किया।

पार्षदों ने मांग की है कि ऐसे अधिकारी को तत्काल हटाकर बर्खास्त किया जाए।

सामान्य सभा में पास हुए अन्य बड़े प्रस्ताव

1. केनाल रोड का नाम भगवान परशुराम मार्ग होगा। केनाल रोड के दो चौक परशुराम चौक और माँ परमेश्वरी चौक कहलाएंगे।
2. वार्ड 4 नेहरू नगर पूर्व में शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पांडे के घर के समीप मैदान का नामकरण शहीद के नाम पर होगा।
3. नए निगम कार्यालय भवन का जल्द भूमिपूजन कराने का निर्णय।
4. जवाहर मार्केट उन्नयन, शहर में स्ट्रीट लाइट के संधारण, संचालन और रखरखाव का प्रस्ताव।
5. प्रियदर्शिनी परिसर में 1000 सीटर ऑडिटोरियम, सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक और प्राकृतिक फुटबॉल मैदान निर्माण।
6. राधिका नगर में लोधी समाज, साहू समाज और देवांगन समाज को सामाजिक भवन के लिए भूमि देने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

एमआईसी ने 4 बार लौटाया प्रस्ताव, अफसरों ने चुपके से कर दिया एग्रीमेंट

नई दृष्टिबिंदु की पड़ताल में बड़ा खेल सामने आया है। सितंबर 2025 में पहली बार प्रस्ताव एमआईसी में लाया गया तो सिर्फ रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) मंगाने की सहमति दी गई। एक ही निविदा आने पर एमआईसी ने प्रस्ताव खारिज कर दिया। इसके बाद तीन बार और एमआईसी में प्रस्ताव रखा गया। मार्च 2026 में अंतिम बार जब प्रस्ताव आया तो एमआईसी ने इसे सलाहकार समिति के माध्यम से फिर लाने को कहा।

लेकिन अधिकारियों ने एमआईसी के फैसले का इंतजार किए बिना ही नवंबर 2025 में ही वेवोम एजेंसी को प्लांट लगाने की अनुमति दे दी और एग्रीमेंट कर जमीन सौंप दी। मौके पर अब एजेंसी ने तार फेंसिंग से पूरी जमीन घेर ली है और मशीनें लगाने की तैयारी शुरू कर दी है।

पार्षद पीयूष मिश्रा ने उठाया मुद्दा, सदन में जमकर बहस

बैठक में 15 प्रस्तावों पर चर्चा के दौरान पार्षद पीयूष मिश्रा ने सवाल दागा कि गोकुल धाम में बायो गैस प्लांट लगाने के लिए 55 डिसमिल जमीन देने का एग्रीमेंट 28 नवंबर 2025 को किसके आदेश से किया गया? इस पर सदन में हंगामा मच गया। पार्षदों ने कहा कि यह अधिकार महापौर परिषद और सामान्य सभा को भी नहीं है, यह सीधे राज्य शासन का विषय है।

क्या है डील - 26% लाभांश का झांसा?

योजना के तहत एजेंसी बायो गैस बनाकर आसपास बेचेगी और मुनाफे का 26% निगम को देगी। पहली बार टेंडर में कोई नहीं आया। दूसरी बार तीन एजेंसियां आईं - एक ने 25 .1%, दूसरी ने 25 .6% और वेवोम इंटरप्राइजेस ने 26% लाभांश का ऑफर दिया। इसी आधार पर अधिकारियों ने उसे 15 साल के लिए जमीन दे दी। पार्षदों का आरोप है कि यह जमीन पर कब्जे का प्लान है।

10 साल से एक ही कुर्सी पर जमे हैं ईई सुनील जैन

इस पूरे खेल के तकनीकी अधिकारी कार्यपालन अभियंता सुनील जैन हैं, जो पिछले 10 साल से भी अधिक समय से भिलाई निगम में ही जमे हुए हैं। एक बार ट्रांसफर होने के बाद जुगाड़ लगाकर फिर भिलाई लौट आए। उनके पास 66 और 77 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, जल कार्य, सफाई, जन स्वास्थ्य, जलकर वसूली के सहायक नोडल, कैच द रेन, जल शक्ति अभियान, प्रधानमंत्री गति शक्ति और करीब 200 करोड़ के एसटीपी प्लांट सहित आधा दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार है।

स्ट्रीट लाइट पर फूटा पार्षदों का गुस्सा

सदन में सबसे ज्यादा हंगामा स्ट्रीट लाइट को लेकर हुआ। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने कहा - "लाइट संधारण में जितना खर्च कर रहे हैं, उतने में हर वार्ड में नया लाइट लग जाएगा। एजेंसी 110 वाट की लाइट निकालकर कम वाट की लगा देती है।"

पार्षद अनीता साहू ने कहा कई माह से लाइट बंद है, अफसर सुनते नहीं। सभापति ने कहा पैसे देकर लाइट लगवानी पड़ रही है। पार्षद चंद्रशेखर गवई ने कहा वार्ड में हत्या हुई है, उसका एक कारण अंधेरा भी है। राजा बंजारे, राजेश चौधरी, मुकेश अग्रवाल, अभिषेक मिश्रा और प्रदीप सेन ने भी लाइट बंद होने पर आक्रोश जताया और कहा कि जब लाइट जल ही नहीं रही तो भुगतान किस आधार पर हो रहा है।

जिम्मेदारों ने क्या कहा

> "सदन में जांच की मांग आई है। मामला मेरे संज्ञान में आया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।"
> – सुरुचि सिंह, आयुक्त, भिलाई निगम

> "नगर निगम अधिनियम में जो अधिकार दिए गए हैं, उससे बाहर जाकर अनुमति दी गई है।"
> – नीरज पाल, महापौर

> "अधिकारियों को निगम की जमीन 15 साल के लिए लीज पर देने का अधिकार ही नहीं है। इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।"
> – पीयूष मिश्रा, पार्षद

> "आयुक्त की स्वीकृति और आदेशानुसार कार्रवाई की गई है।"
> – सुनील जैन, तकनीकी अधिकारी

पीसीसी अध्यक्ष के लिए उमेश, टीएस और देवेन्द्र रेस में

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की राय रहेगी महत्वपूर्ण, क्या हाईकमान देगा सरप्राइज?

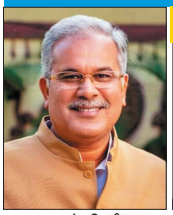

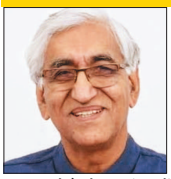

आलोक तिवारी / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल समाप्ति पर है और नए अध्यक्ष को लेकर दिल्ली से रायपुर तक हलचल तेज हो गई है। अंदरखाने तीन नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं - उमेश पटेल, टी.एस. सिंहदेव और देवेंद्र यादव।

मौजूदा समीकरण

जुलाई 2023 से पीसीसी की कमान संभाल रहे बैज के बाद संगठन में तीन केंद्र प्रभावी माने जाते हैं - पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टी.एस. सिंहदेव और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत। सूत्रों के मुताबिक नए अध्यक्ष के चयन में भूपेश बघेल की भूमिका अहम रहेगी।

कौन कितना मजबूत?

फिलहाल उमेश पटेल को सबसे मजबूत दावेदार बताया जा रहा है। युवा चेहरा और ओबीसी समीकरण उनके पक्ष में हैं। वहीं टी.एस. सिंहदेव अनुभव और सर्वमान्यता के आधार पर मजबूत विकल्प हैं।

देवेंद्र यादव - डार्क हॉर्स?

असली पेंच तीसरे विकल्प में है। यदि उमेश और सिंहदेव के बीच सहमति नहीं बनती और हाईकमान को गुटीय नाराजगी का डर सताता है, तो संतुलन साधने के लिए देवेंद्र यादव का नाम तेजी से उभर सकता है। सामान्य स्थिति में उनकी संभावना ।

हाईकमान के 5 पैमाने

दिल्ली में फैसला 5 बिंदुओं पर होगा -
1. युवा नेतृत्व को प्राथमिकता
2. क्षेत्रीय संतुलन
3. सामाजिक समीकरण
4. गुटीय संतुलन
5. 2028 विधानसभा की तैयारी

कांग्रेस में अक्सर सबसे चर्चित नाम ही फाइनल नहीं होता। ऐसे में सवाल यही है कि क्या हाईकमान संतुलन के लिए सरप्राइज चेहरा सामने लाएगा?

वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा का निधन, शोक की लहर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम के पांच बार के पार्षद, युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और शहर की राजनीति में अपनी अलग पहचान रखने वाले वरिष्ठ राजनीतिज्ञ वशिष्ठ नारायण मिश्रा का आज निधन हो गया। वे 56 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से पूरे शहर में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनका अंतिम संस्कार 27 अगस्त को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वशिष्ठ नारायण मिश्रा भिलाई की राजनीति में एक बड़े कद के नेता माने जाते थे। पांच बार पार्षद रहकर उन्होंने अपने वार्ड के साथ ही पूरे शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवक कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने युवाओं को राजनीति से जोड़ा। सार्वजनिक जीवन में उनके सरल व्यवहार, मिलनसार व्यक्तित्व और सक्रियता को हमेशा याद किया जाएगा। उनका निधन भिलाई के राजनीतिक और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

सुपेला से गदा चौक तक फ्लाईओवर का व्यापारियों ने किया विरोध

सांसद कार्यालय में दुर्ग सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और परियोजना पर तत्काल रोक लगाकर पुनः समीक्षा की मांग की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपेला चौक से गदा चौक तक प्रस्तावित करीब 1 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण को लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। गणेश मार्केट, सुपेला व्यापारी संघ और होलसेल होजियरी रेडीमेड एंड क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के व्यापारियों ने सोमवार को सेक्टर-5 स्थित सांसद कार्यालय में दुर्ग सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और परियोजना पर तत्काल रोक लगाकर पुनः समीक्षा की मांग की।

व्यापारियों ने कहा कि सुपेला से गदा चौक तक का मार्ग प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है। सड़क की चौड़ाई 100 से 150 फीट है, जिससे वर्तमान में यातायात में कोई बड़ी समस्या नहीं है। फ्लाईओवर बनने से नीचे की सर्विस रोड, चौराहों और बाजारों में यातायात और पार्किंग की समस्या बढ़ेगी और करीब 500 व्यापारियों के व्यापार पर सीधा असर पड़ेगा।

व्यापारियों ने उठाए 7 सवाल-

1. क्या इस मार्ग पर फ्लाईओवर यातायात का स्थायी समाधान है?
2. फ्लाईओवर के बाद सर्विस रोड और बाजारों में जाम की स्थिति कितनी बढ़ेगी?
3. व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का स्वतंत्र सर्वे कराया जाए।
4. वर्तमान और भविष्य की यातायात जरूरतों का वैज्ञानिक ट्रैफिक सर्वे कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
5. वैकल्पिक यातायात व्यवस्था का अध्ययन हुआ है या नहीं, जानकारी दी जाए।
6. निर्माण के दौरान वर्षों तक धूल, दुर्घटना और व्यापारिक नुकसान का आकलन किया जाए।
7. प्रभावित व्यापारियों के साथ पारदर्शी जनसुनवाई की जाए।

व्यापारियों ने कहा कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन ऐसा विकास हो जिसमें जनहित और स्थानीय व्यापार का ध्यान रखा जाए। आरोप लगाया कि कुछ व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में व्यापारियों को सड़क से हटाने जैसी स्थिति बन सकती है। उन्होंने डीपीआर और तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने, स्वतंत्र ट्रैफिक सर्वे और खुली जनसुनवाई की मांग की। यदि आवश्यकता प्रमाणित न हो तो परियोजना निरस्त कर वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करने को कहा।

ज्ञापन सौंपने वालों में अंजय दुबे, राजेन्द्र खण्डेलवाल, बंटी नाहर, आदित्य शर्मा, बलजीत सिंह, भरत रमानी, राकेश कुमार, हर्ष गुप्ता, इम्तियाज अहमद, बेद प्रकाश, पितामभर गिरिया, संतोष शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

खास खबर

रिसाली निगम क्षेत्र की जनता से जो स्नेह दुलार और आशीर्वाद मुझे और पार्टी को मिला उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता-भूपेश बघेल

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर भिलाई-रिसाली में कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। रिसाली में पार्षद सनीर साहू और हेमंत बंजारे के नेतृत्व में युवा कांग्रेसियों ने गाजे-बाजे और फूल मालाओं के साथ आतिशबाजी करते हुए शेर आया, शेर आया और आई लव यू के गगनभेदी नारों से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आत्मीय स्वागत करते हुए माहौल उत्साहपूर्ण कर दिया। श्री बघेल ने सर्वप्रथम रिसाली स्थित माता कल्याणी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मां कल्याणी का आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंच पर महिला समर्थकों ने भारतीय परंपरानुसार भूपेश बघेल की आरती उतार कर तथा युवा कार्यकताओं ने 551किलो फूलों की विशाल माला पहनाकर व आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया।

वहीं पार्षद अनुप डे ने शाल ओढ़ाकर बघेल का हृदय से अभिनंदन किया। तत्पश्चात भूपेश बघेल जी ने अपने जन्मदिन का केक काटकर सबका मुंह मीठा कराया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में रिसाली निगम के सभापति केशव बंछोर ने श्री बघेल के कार्यकाल और छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परंपराओं को पहचान दिलाने में उनके योगदान की सराहना की। श्री बघेल ने आयोजन कताओं और उपस्थित गणमान्य नागरिकों, स्नेहहिल कार्यकताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि, रिसाली निगम क्षेत्र की जनता और कर्मठ कार्यकताओं से जो स्नेह दुलार और आशीर्वाद मुझे और कांग्रेस पार्टी को मिला उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। कार्यक्रम में प्रतिमा चंद्राकर, हेमिन चतुर्वेदी, सनीर साहू, हेमंत बंजारे, जानकी रमैया, दिनेश पटेल, राजेंद्र रजक, चंद्रभान ठाकुर, चंद्रकांत कोरे, मुकुंद भाऊ, मुकेश चंद्राकर, मोहम्मद निजाम, अब्दुल गफ्फार, अनुप डे, वादिका साहू, सहित अन्य नेताओं ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु एवं जनसेवा के लिए मंगलकामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं, पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एचएससीएल भिलाई को मिला राजभाषा अग्रगण्य पुरस्कार

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति भिलाई-दुर्ग की 63वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी और उप महाप्रबंधक राघवेंद्र कुमार गर्ग उपस्थित रहे। वर्ष 2025 में राजभाषा कार्यान्वयन में उल्लेखनीय योगदान के लिए सार्वजनिक उपक्रम श्रेणी में एचएससीएल भिलाई इकाई को राजभाषा अग्रगण्य पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इकाई की ओर से अपर महाप्रबंधक निशीथ कांति दास और राजभाषा अधिकारी वंदना चौधरी ने पुरस्कार ग्रहण किया। साथ ही वंदना चौधरी को व्यक्तिगत योगदान के लिए राजभाषा उन्नायक सम्मान से सम्मानित किया गया।

रिसाली निगम के पटरी पार क्षेत्र में 1.58 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली के पटरी पार क्षेत्र के तीन वार्डों में करीब डेढ़ करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन मंगलवार को किया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा कैंप और वार्ड 15 मौहारी मरोदा में कार्यों की शुरूआत की। तीनों वार्डों में कुल 1 करोड़ 58 लाख 63 हजार रुपये की लागत से नाली, सड़क, पुलिया और सामुदायिक भवन के कार्य कराए जाएंगे।

विधायक ललित चंद्राकर सबसे पहले मौहारी मरोदा पहुंचे। नागरिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रिसाली निगम क्षेत्र के पटरी पार मरोदा और नेवई क्षेत्र में विकास कार्यों को सूचीबद्ध कर लगातार भूमिपूजन किया जा रहा है।

पिछले एक माह से अंतिम छोर पुरैना से इसकी शुरूआत की गई है। क्षेत्रीय पार्षदों के प्रयास और नागरिकों की प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूरे किए जा रहे हैं। बहुत से विकास कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं, स्वीकृति के बाद वे फिर से वार्डों का दौरा करेंगे।

महापौर शशि सिन्हा ने भी नागरिकों को संबोधित किया और निगम क्षेत्र में मिल रही मूलभूत सुविधाओं के लिए बधाई दी।

कहां कितना काम होगा

वार्ड 13 टंकी मरोदा - 60.28 लाख रुपये से नाली निर्माण, सड़क और सौंदर्यीकरण कार्य।

वार्ड 14 मरोदा कैंप - 51.10 लाख रुपये से नाली, पुलिया निर्माण, सड़क संधारण और सामुदायिक भवन।

वार्ड 15 मौहारी मरोदा - 39.25 लाख रुपये से विभिन्न विकास कार्य।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, विधि यादव, गजेंद्री कोठारी, ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बीएसपी का "प्रोत्साहन" सम्मान समारोह, 180 मेधावी बच्चों को 13.80 लाख के पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा ठेका श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए "प्रोत्साहन-प्रतिभा सम्मान समारोह 2024-25" का आयोजन महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जीएम प्रभारी (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) ए.बी. श्रीनिवास, जीएम प्रभारी (एचआर) संजय द्विवेदी, जीएम (एचआर-आईआर एवं ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) राजीव कुमार और जीएम (शिक्षा) शिखा दुबे उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि यह पुरस्कार कठिन परिस्थितियों पर विजय पाकर बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा देता है। यह बीएसपी प्रबंधन की सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योजना में क्या है

जीएम प्रभारी ए.बी. श्रीनिवास ने बताया कि इस योजना में 2 साल में कम से कम 3 माह सेवा पूरी करने वाले ठेका श्रमिकों के बच्चे शामिल हैं। कक्षा 8वीं में 50% से अधिक अंक पर 5 हजार, 10वीं पर 8 हजार और 12वीं पर 10 हजार रुपये दिए जाते हैं। इस वर्ष टाउनशिप से 260 और माइंस से 22 आवेदन आए थे।

सत्र 2024-25 में कुल 180 विद्यार्थियों को 13 लाख 80 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इनमें टाउनशिप के 55 छात्र कक्षा 8वीं, 54 छात्र 10वीं और 55 छात्र 12वीं के हैं, जबकि 16 विद्यार्थी माइंस क्षेत्र के हैं। समारोह में भावना यादव, तन्मय राउत और विधि लोधी ने अपने अनुभव साझा किए।

सत्तीचौरा में महाकाल के रूप में सजे सत्तीश्वर महादेव, दिव्य श्रृंगार के बाद हुई महाआरती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सावन के अंतिम सोमवार पर दुर्ग के प्राचीन सत्तीचौरा स्थित सत्तीश्वर महादेव मंदिर में भव्य आयोजन हुआ। बाबा का उज्जैन के महाकाल के स्वरूप में दिव्य श्रृंगार कर महाआरती की गई, जिसमें गंजपारा सहित आसपास के सैकड़ों शिवभक्त शामिल हुए।

सत्तीचौरा में स्थापित शिवलिंग 100 वर्ष से अधिक पुराना बताया जाता है। मान्यता है कि यह शिवलिंग जमीन की खुदाई के दौरान प्रकट हुआ था और यह मनोकामना सिद्ध शिवलिंग है, जहां प्रतिदिन गंजपारा के लोग पूजन करते हैं।

मंदिर समिति ने बताया कि सावन माह में प्रत्येक सोमवार को बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाता है। इस वर्ष प्रथम सोमवार को फूलों से, द्वितीय सोमवार को बेलपत्री एवं विशेष वस्त्रों से, तृतीय सोमवार को फलों से और चौथे व अंतिम सोमवार को बाबा को महाकाल के रूप में सजाया गया। अंतिम सोमवार के श्रृंगार के दर्शन के लिए देर शाम तक भक्तों की भीड़ लगी रही।

सोमवार की संध्या में श्रृंगार के पश्चात उज्जैन महाकाल मंदिर की तर्ज पर महाआरती की गई। पूजा-अर्चना मंदिर के पुजारी सुनील पांडेय ने कराई, जबकि बाबा का अद्भुत महाकाल श्रृंगार आदित्य चतुर्वेदी ने किया। आरती के बाद उपस्थित भक्तों को मिष्ठान, पोहा, चॉकलेट, नमकीन और फलों का प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, गोपाल शर्मा, मनीष सेन, प्रकाश सिन्हा, नरेंद्र शर्मा, सोनल सेन, घनश्याम पंड्या, प्रकाश टावरी, मोहित पुरोहित, ऋषि गुप्ता, सुजल शर्मा, सुंदर गुप्ता, दुर्गा कश्यप, प्रशांत कश्यप, जीवन राजपूत, बिरजू यादव, दीनानाथ ढीमर सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

आज शिवनाथ नदी से कांवड़ यात्रा

समिति ने बताया कि 26 अगस्त बुधवार को शिवनाथ नदी से कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। बाजे-गाजे और बोल बम के जयकारों के साथ भक्त शिवनाथ नदी से जल लेकर गंजपारा के मुख्य मार्ग होते हुए सत्तीचौरा स्थित सत्तीश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। यह तीसरा वर्ष है जब इस कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें गंजपारा के साथ अन्य वार्डों के भक्त भी शामिल होंगे।

प्लेट मिल ने बनाया रोड डिस्पैच का नया रिकॉर्ड, एक दिन में 1526 टन प्लेट्स रवाना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल के डिस्पैच सेक्शन ने फिनिश्ड प्लेट्स के रोड डिस्पैच का नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया है। टीम ने एक दिन में 49 ट्रॉलियों के माध्यम से 1,526 टन फिनिश्ड प्लेट्स का रोड डिस्पैच कर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इससे पूर्व 16 अगस्त 2026 को 40 ट्रॉलियों के माध्यम से 1,246 टन फिनिश्ड प्लेट्स डिस्पैच रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इस प्रकार पिछले रिकॉर्ड की तुलना में एक दिन में 9 अधिक ट्रॉलियों के माध्यम से 280 टन अधिक फिनिश्ड प्लेट्स का डिस्पैच किया गया।

यह उपलब्धि प्लेट मिल के डिस्पैच सेक्शन, ऑपरेशन एवं लॉजिस्टिक्स टीम, ट्रांसपोर्टर, क्रेन एवं हैंडलिंग टीम सहित सुचारू और तेज प्रेषण प्रक्रिया में योगदान देने वाले सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के बीच प्रभावी समन्वय, बेहतर योजना और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

सड़क मार्ग से प्रेषण में स्थापित यह नया दैनिक रिकॉर्ड प्लेट मिल, सेलझबीएसपी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और प्रेषण दक्षता के क्षेत्र में एक नया मानदंड प्रस्तुत करता है। यह सामूहिक टीमवर्क, कार्यकुशलता और निरंतर बेहतर प्रदर्शन की दिशा में टीम की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

समरसता का रक्षाबंधन सीमा सुरक्षा बल के जवान भाइयों के संग कल को बीएसएफ हेडक्वार्टर में आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ के हेड क्वार्टर रिसाली भिलाई में रक्षाबंधन का महापर्व का आयोजन सामाजिक संस्थाओं की स्वयं सहायता समूह की एवं धार्मिक संस्थाओं की बहने एक साथ सामूहिक रूप से 27 अगस्त को सुबह 11 से रक्षाबंधन के भावी आयोजन में बीएसएफ के जवान भाइयों के कढ़ाई पर रखी सूत्र बंधेगी

यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ के दुर्ग जिला संयोजक मनोज ठाकरे ने जानकारी देते हुए बताया विगत 4 वर्षों से भारत की सुरक्षा के सीमा प्रहरियों के साथ सामाजिक संस्थाओं की बहने सामूहिक रूप से रक्षाबंधन का पर्व मानती है इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया गया है जिसमें ग्रुप भिलाई की सभी सामाजिक संस्थाओं की महिला स्वयं सहायता समूह की बहने और धार्मिक संस्थाओं बहने की रहने भारतवर्ष किया सबसे बड़ा बहन भाई का पर्व भारतीय संस्कृति का पर्व को एक साथ मनाएंगे इस आयोजन की तैयारी जोरों पर चल रही है। जिन बहनों को सीमा सुरक्षा बल के जवान भाइयों के गढ़ाई पर राखी बांधनी है वे सुरक्षा से आकर 27 अगस्त को आयोजन स्थल बीएसएफ हेडक्वार्टर रिसाली स्टेट बैंक के सामने प्रातः 11 बजे आवश्यक रक्षा सूत्र लेकर पहुंचे। इस आयोजनकी तैयारी को लेकर सुशी नीति चौरसिया आयोजन की संयोजिका, एवं कार्यक्रम के समन्वयक श्रीमती अनु राणा, निधि चंद्राकर, लिलेश्वरी साहू, ललित सिंह, पार्वती पंडित, रूपेश्वरी साहू, मोगरा देशमुख, गीता सोनी और संगीता लहरी का विशेष योगदान आयोजन के लिए मिल रहा है।

छग में होगी देश की पहली राज्य स्तरीय हॉकी लीग, छह टीमें लेंगी हिस्सा, राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव और प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी लीग : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में हॉकी की नई तस्वीर गढ़ने की तैयारी है। राज्य के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होने वाली यह लीग देश के किसी भी राज्य में आयोजित होने वाली पहली राज्य-स्तरीय हॉकी लीग होगी, जिसे हॉकी इंडिया लीग की तर्ज पर पूरी तरह प्रोफेशनल और व्यावसायिक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की संभावित तिथियों 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक लीग के मुकाबले खेले जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में लीग के लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का अनावरण किया। उन्होंने लॉन्चिंग कार्यक्रम में लीग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लीग का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की युवा हॉकी प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना और उन्हें देश के श्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने तथा उनसे सीखने का अवसर देना है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो, संयुक्त संचालक प्रभाकर पाण्डेय और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी सहित अनेक विभागीय अधिकारी भी लीग के लॉन्चिंग कार्यक्रम में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हॉकी की समृद्ध परंपरा रही है और राज्य में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगी

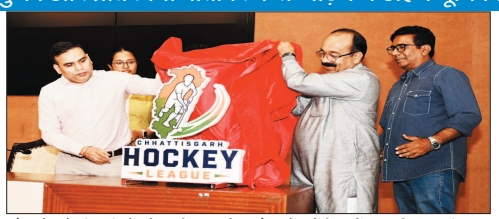

और प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री साव ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें मैदान में उतरेंगी। इनमें राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स शामिल हैं। ये टीमें प्रदेश की अलग-अलग क्षेत्रीय पहचान और खेल प्रतिभा को एक मंच पर लेकर आएंगी।

लीग का लोगो छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर आधारित है। इसमें केसरिया और हरे रंग के माध्यम से भारतीयता की भावना को दर्शाया गया है, जबकि आगे बढ़ती नारंगी रेखा प्रदेशवासियों की निरंतर प्रगति और आगे बढ़ने की भावना का प्रतीक है। लीग की टैगलाइन "चलव रे संगी, हॉकी खेलबो" रखी गई है। छत्तीसगढ़ी बोली में यह टैगलाइन अपनत्व और आमंत्रण का भाव लिए हुए है, जिसका अर्थ है—"चलो दोस्त, हॉकी खेलते हैं।" लीग का आधिकारिक शुभंकर "बघवा" नामक बाघ है। यह छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और समृद्ध वन्यजीव विरासत का प्रतीक है। बघवा साहस, शक्ति और निडरता का संदेश देता है तथा खिलाड़ियों की जुझारू भावना और मैदान पर अपना दबदबा कायम करने की आकांक्षा को प्रदर्शित करता है।

प्रतियोगिता में सभी छह टीमें लीग मुकाबले खेलेंगी। इन मुकाबलों के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल के बाद विजेता टीम का फैसला फाइनल मुकाबले में होगा। मैचों के दौरान सभी अंपायर और तकनीकी अधिकारी हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, जिससे प्रतियोगिता में तकनीकी गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहेगी। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन विशेष मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इससे दर्शकों को रोमांचक हॉकी मुकाबलों के साथ मनोरंजन का भी अनुभव मिलेगा। खास बात यह है कि लीग के सभी मुकाबलों में दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इससे बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों और युवाओं के स्टेडियम पहुंचने की उम्मीद है।

खास खबर

नवा रायपुर को देश की अग्रणी ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर : मंत्री चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-12 फेस-2 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की 119.89 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजना का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत HIG एवं MIG श्रेणी के कुल 348 भवनों का निर्माण किया जाएगा। आवासों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसी सेक्टर में आगामी चरण में 704 नए फ्लैट का निर्माण भी शीघ्र किया जाएगा।

बिना मांग के नहीं होगी नई आवासीय परियोजना : मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कर्ज से जूझ रहे मंडल को लगभग 700 करोड़ रुपए का ऋण चुकाकर कर्जमुक्त किया गया। इसके बाद मंडल की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए यह नीति निर्धारित की गई कि बिना मांग के किसी स्थान पर आवासीय परियोजना शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी परियोजना में 60 प्रतिशत बुकिंग होने अथवा प्रथम तीन माह में 30 प्रतिशत बुकिंग होने के बाद ही टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इससे मांग आधारित और व्यावहारिक आवासीय परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा तथा बिना मांग के निर्मित होकर लंबे समय तक खाली रहने वाले भवनों की समस्या से भी निजात मिलेगी।

गुणवत्ता के नए मानदंड स्थापित करे हाउसिंग बोर्ड : मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि एक प्रोफेशनल ऑर्गनाइजेशन के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी है। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी रडक के आधार पर कार्य करने के बजाय आवश्यकतानुसार उससे बेहतर गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए। भवनों में गुणवत्तापूर्ण टाइल्स, फिटिंग्स और आकर्षक एवं आधुनिक रंगों का उपयोग किया जाए, ताकि हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियां सरकारी परियोजनाओं की पारंपरिक छवि से अलग दिखाई दें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए यदि परियोजना की लागत में 5 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि भी होती है, तो इसे उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। आने वाले समय में हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं में गुणवत्ता का नया मानदंड स्थापित किया जाना चाहिए।

आरडब्ल्यूए को मजबूत कर समय पर कॉलोनियां हैंडओवर करने पर जोर : आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियों में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को मजबूत करने और कॉलोनियों का समय पर हैंडओवर सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉलोनी के विकास एवं रखरखाव की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ रहवासियों की भी है। दोनों पक्षों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। उन्होंने सेक्टर-12 के रहवासियों से पहल का गठन कर कॉलोनी के रखरखाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। साथ ही नए हितग्राहियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी में सहयोग करने और किसी भी कमी की जानकारी मंडल के अध्यक्ष, आयुक्त अथवा संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

नवा रायपुर में शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहा विस्तार : मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर देश की प्रमुख ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर के लगभग एक-तिहाई हिस्से को रिक्रिएशनल क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है, जबकि 28 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में हरियाली है। उन्होंने नवा रायपुर में तेजी से विकसित हो रहे शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और अन्य क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां NIFT, NFSU, NIELIT, IIM, HNLU और IIIT जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं। इसके अलावा नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीश्री रविशंकर का केंद्र, ब्रह्मकुमारी परिसर, एआई डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर यूनिट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी नवा रायपुर के विकास को नई गति दे रही हैं।

बहनों के विष्णु भैया बने मुख्यमंत्री साय राखी के साथ मिला स्नेह और विश्वास

नक्सलवाद के अंत से बहनों को मिला सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में आज भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित "स्नेह की डोर" कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री इस अवसर पर भावुक हो उठे। उन्होंने शहीद श्री वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों के परिवारों के साथ सदैव खड़े रहने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राखी का यह धागा केवल भाई-बहन के स्नेह का बंधन नहीं, बल्कि एक शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। हमारे वीर जवानों का बलिदान और उनके परिवारों का त्याग छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूल सकता। शहीदों के परिवार हमारे अपने परिवार हैं और उनके सम्मान, स्वाभिमान तथा हर सुख-दुःख में उनके साथ खड़े रहने का यह रिश्ता सदैव अटूट रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है और अनेक जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। अब वह समय आ रहा है जब नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग नहीं उजड़ेगा, किसी मां को अपना बेटा नहीं खोना पड़ेगा और किसी बहन को अपने भाई के सकुशल घर लौटने की चिंता नहीं सताएगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प तथा सुरक्षा बलों के साहस और पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता ने बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में शांति और विकास के नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। इस परिवर्तन में बस्तर की जनता का विश्वास और सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर की पहचान हिंसा से नहीं, बल्कि शांति, विकास, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पर्यटन और नई संभावनाओं से होगी। लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण विकास से वंचित रहे क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसर तेजी से पहुंचाए जा रहे हैं। सरकार का संकल्प बस्तर को देश के श्रेष्ठ और विकसित आदिवासी अंचलों में शामिल करना है।

जवानों की कलाइयों पर सजी बहनों की राखी

स्नेह की डोर कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सेना और पुलिस के लगभग 800 जवान शामिल हुए। स्कूली छात्राओं, दिव्यांग बेटियों, स्वच्छता दीदियों, ड्रोन दीदियों, लखपति दीदियों और महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी और राष्ट्र तथा समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा आत्मीय और अद्भुत दृश्य पहली बार देखा है। देश और प्रदेश की सुरक्षा के लिए घर-परिवार से दूर रहकर कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले जवानों को जब इतनी बड़ी संख्या में बहनों ने राखी बांधी तो रक्षाबंधन का पर्व अपने व्यापक अर्थ में साकार होता दिखाई दिया। हमारे जवान केवल सीमाओं और समाज के सुरक्षा प्रहरी नहीं, बल्कि प्रदेश की बहनों के भाई भी हैं।

इस अवसर पर सुरक्षा बलों के जवानों ने भी बहनों की रक्षा, सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों के जवानों के शौर्य और समर्पण को नमन करते हुए नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जवानों का सम्मान किया।

बहनों का स्नेह मेरी सबसे बड़ी शक्ति : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें छत्तीसगढ़ की लाखों-करोड़ों बहनों का अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है। बहनों का यही विश्वास और अपनापन जनसेवा के लिए नई ऊर्जा देता है। राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण आज शासन की नीतियों के केंद्र में है। छत्तीसगढ़ में 2 लाख 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लखपति दीदी अभियान ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है और प्रदेश की 13 लाख 85 हजार बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिलाएं अब परिवार की आर्थिक शक्ति बनने के साथ गांव और समाज के विकास का नेतृत्व भी कर रही हैं।

रक्षाबंधन से पहले लगभग 68 लाख बहनों को 631 करोड़ रु.

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मसम्मान का मजबूत आधार बनी है। योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में लगभग 68 लाख बहनों के बैंक खातों में करीब 631 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश की मातृ-बहनें आर्थिक रूप से मजबूत बनें, अपने छोटे-बड़े निर्णय स्वयं ले सकें और अपने त्योहार पूरे उत्साह एवं सम्मान के साथ मना सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री साय को भी रक्षा सूत्र बांधा। मुख्यमंत्री ने बहनों का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उनके सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

देश की एकता और जवानों के सम्मान का दिलाया संकल्प

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा देश के वीर जवानों के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल वर्दीधारी जवानों का दायित्व नहीं है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की एकता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करे तथा राष्ट्रविरोधी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहे। जवानों के प्रति सम्मान की भावना समाज और नई पीढ़ी में और मजबूत हो, स्नेह की डोर जैसे आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में केंद्रीय सुरक्षा बलों और पैरामिलिट्री फोर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने साहस के साथ नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि एक समय नक्सल हिंसा के कारण अनेक परिवारों ने अपने बेटे, भाई और जीवनसाथी खोए, लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। वह दिन दूर नहीं जब किसी बहन को यह नहीं कहना पड़ेगा कि उसका भाई ड्यूटी पर गया था और लौटकर नहीं आया। उन्होंने समाज से वैचारिक रूप से भी सजग रहने और देश की एकता-अखंडता को कमजोर करने वाली प्रवृत्तियों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

रायपुर जिले को मिले पांच अभिनव प्रोजेक्ट्स

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा तैयार पांच अभिनव प्रोजेक्ट्स—हरित पोषणम्, प्रोजेक्ट निरामय, तिरंगा शक्ति फेस्ट, प्रोजेक्ट अहिगुण्डिकः और रायपुर अनफिल्टर्ड का शुभारंभ किया।

हरित पोषणम् के माध्यम से आंगनबाड़ियों और महिला समूहों को फलदार पौधे तथा सब्जियों के उन्नत बीज उपलब्ध कराकर पोषण वाटिकाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार की उपलब्धता बढ़ाने के साथ महिलाओं और समुदाय को पोषण अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ना है।

प्रोजेक्ट निरामय के अंतर्गत रायपुर जिले के 215 उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 65 हजार 920 छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य एवं रक्त जांच की जाएगी। जांच में स्वास्थ्य संबंधी समस्या पाए जाने पर आवश्यकतानुसार निःशुल्क उपचार की व्यवस्था भी की जाएगी।

तिरंगा शक्ति फेस्ट के माध्यम से रायपुर में प्रत्येक माह सामाजिक समरसता, संस्कृति, सुशासन, युवा नेतृत्व और राष्ट्रभावना से जुड़े विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ना है।

रायपुर अनफिल्टर्ड के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित हस्तियों, कलाकारों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों के जीवन, अनुभव और विचारों को पॉडकास्ट के माध्यम से सामने लाया जाएगा। प्रोजेक्ट अहिगुण्डिकः के माध्यम से जिले के सौंरा (सपेरा) समुदाय के परिवारों को शासन की मुख्यधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, जॉब कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं और आवश्यक दस्तावेजों का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने की पहल की जाएगी।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, विधायक पुरंदर मिश्रा, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवड़िया, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित जनप्रतिनिधि, सुरक्षा बलों के अधिकारी-जवान, स्कूली विद्यार्थी, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्य और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ई-बसों से बदलेगी शहरों की पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तस्वीर, 240 बसों के संचालन के लिए बनी रणनीति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया के साथ नगरीय प्रशासन एवं सुडा के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में ई-बस सेवा की संचालन व्यवस्था, विस्तार, रूट प्लानिंग, बस स्टॉप, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत छत्तीसगढ़ के चार नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इनके संचालन से इन चारों शहरों में स्वच्छ एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के साथ नागरिकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में चलेंगी ई-बसें : प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के संचालन की

तैयारियों की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया ने कहा कि ई-बस सेवा के रूट का निर्धारण शहरों की वास्तविक परिवहन आवश्यकताओं और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, प्रमुख बाजारों, महत्वपूर्ण संस्थानों एवं अन्य जनोपयोगी स्थानों को ई-बस नेटवर्क से जोड़ने वाले रूट तैयार करने पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच बेहतर सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी विकसित हो सके।

उन्होंने ई-बसों के लिए शॉर्ट-टर्म एवं लॉन्ग-टर्म रूट प्लान तैयार करने तथा चरणबद्ध तरीके से रूट का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित रूटों की फेजवार स्टडी करते हुए यात्री संख्या, संभावित मांग, दूरी और कनेक्टिविटी के आधार पर उनकी व्यवहारिकता का आकलन करने को कहा। अधिक यात्री आवागमन वाले क्षेत्रों में मांग के अनुरूप रूट विकसित करने तथा विस्तृत अध्ययन के आधार पर रूट को अंतिम रूप देने पर जोर दिया गया।

श्री बोरा ने बैठक में कहा कि योजना के सभी घटकों—रूट प्लानिंग, बस संचालन, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बस स्टॉप एवं कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम को एकीकृत रूप से विकसित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने चारों शहरों में ई-बस के संचालन के लिए शहरवार जरूरत एवं उपलब्ध संसाधनों का आकलन करने तथा उसी आधार पर प्राथमिकताएं तय करने के निर्देश दिए। साथ ही योजना की प्रगति की नियमित रिपोर्टिंग एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में महिलाओं के लिए विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी पर भी चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ए आवश्यक रूट एवं संचालन व्यवस्था तैयार करने पर भी विचार किया गया।

श्री बोरा ने ई-बसों के संचालन में समय-सीमा के साथ गुणवत्ता और व्यवहारिकता का भी ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि, डिपो, चार्जिंग, रूट एवं संचालन से संबंधित संभावित बाधाओं की पहचान कर उनका समयबद्ध निराकरण करने तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों की नियमित प्रगति पर नजर रखने को कहा। उन्होंने योजना की मॉनिटरिंग के उच्च स्तर को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक कार्यों को समन्वय के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने डिपो के निर्माण एवं विकास में भविष्य में ई-बसों की संख्या बढ़ने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त क्षमता एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता एवं उपलब्धता का आकलन करते हुए आवश्यक व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने को भी कहा।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया ने बैठक में डिपो, चार्जिंग स्टेशन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए स्थान चयन तथा भूमि संबंधी विषयों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही डिपो, सिविल वर्क एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रेलवे, एवं अन्य विभागों से समन्वय कर आवश्यक स्वीकृतियों तथा तकनीकी प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि ई-बस संचालन शुरू होने से पहले सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं तैयार रहें। श्री भदौरिया ने ई-बस संचालन में आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल व्यवस्था के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कमांड एवं कंट्रोल व्यवस्था को मजबूत करने तथा बस संचालन की प्रभावी निगरानी के लिए तकनीक आधारित सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि बसों के संचालन, रूट, यात्री संख्या एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सके।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर, सुडा के सीईओ सुमीत अग्रवाल, सीएसपीडीसीएल के प्रबंध संचालक भीम सिंह कंवर, रायपुर नगर निगम के आयुक्त संबित मिश्रा, कोरबा नगर निगम के आयुक्त आशुतोष पांडे, बिलासपुर नगर निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, एनएचएआई के उप महाप्रबंधक नितिन कुमार गुप्ता और शहरी कार्य मंत्रालय, दिल्ली के एएसओ हिमांशु जैन भी बैठक में मौजूद थे।

संपादकीय

वही बाहर आता है जो आदमी के भीतर होता है

कोई भी क्षेत्र हो,उस क्षेत्र का आदमी जो कुछ कहता है,उससे पता चलता है कि उसके भीतर क्या है और जो भीतर होता है, वही बाहर आता है। ऐसा हो नही सकता कि आदमी के भीतर जो नहीं है, वह उसकी बातों के जरिए बाहर आ जाए। आदमी की बातों के जरिए वही बाहर आता है, जो उसके भीतर होता है।कांग्रेस और राहुल गांधी के बारे में सब जानते हैं कि सनातन,हिंदू धर्म के विरोधी है। यही वजह है कि वह किसी भी मंच पर किसी भी विषय में कोई बात कहें,सनातन और हिंदू धर्म विरोधी बातें उनके मुंह से निकल ही जाती हैं। वह सनातन व हिंदू धर्म को दूसरे धर्मो से ज्यादा बुरा बताने का प्रयास करते हैं। यही वजह है कि जब वह स्त्री स्वतंत्रता की बात करते हैं, उनके अधिकारों की बात करते हैं तो वह मनुस्मृति की बात जानबूझकर करते हैं ताकि यह बताया जा सके कि आज भी बहुसंख्यक हिंदू समाज में जो नारी स्वतंत्रता का जो विरोध होता है,उसकी जड़े,मनुस्मृति में हैं।

राहुल गांधी जब पुणे कार्यक्रम मे कहते हैं कि मनु स्मृति में कहा गया है कि बचपन में महिला को पिता के अधीन होना चाहिए, युवावस्था में पति के अधीन होना चाहिए और पति के न रहने पर पुत्र के अधीन रहना चाहिए। एक महिला कभी आजाद नहीं हो सकती है एक समस्या है और काफी बड़ी समस्या है,जब भी मैं पुरुषों से बात करता हूं तो महिलाओं को तीन बातस में रखा जाता है,बेटी,मां या पत्नी के रूप में। मां,पत्नी व बेटी के रूप में देखे जाने मे कोई बुराई नहीं है।लेकिन सिर्फ यही उनकी पहचान नही हो सकती। महिलाएं प्रोफेशनल खिलाड़ी, लीडर, ,आंत्रेप्न्योर बहुत कुछ हैं लेकिन पुरुष उन्हें यह तीन पहचान ही देते हैं। इन तीनों पहचानों का पुरुषों से रिश्ता है चाहे मां हो, बेटी हो या पत्नी हो। इससे साफ हो जाता है कि राहुल गांधी भी वही बात कर रहे हैं जो आजादी के बाद से वामपंथी करते आए हैं।

देश की ताकत हिंदू समाज हैं। देश की ताकत सनातन हैं। इसलिए वामपंथियों ने कई तरह से हिंदू समाज को कमजोर करने का प्रयास आजादी के बाद किया है। हिंदू समाज की ताकत उसकी परिवार की इकाई है, इसलिए परिवार को सबसे पहले कमजोर करने का प्रयास किया गया। परिवार की मजबूती का आधार नारी है, इसलिए हिंदू समाज की महिलाओं को आजादी,स्वावलंबन, अधिकार के नाम पर भड़काने का प्रयास किया गया ।संयुक्त परिवार को समस्या बताया गया और एकल परिवार को अच्छा बताया गया। इसी का परिणाम है कि आज देश में संयुक्त परिवार कम हो गए हैं और इसका खामियाजा देश की नई पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है। संयुक्त परिवार में बच्चों के जो संस्कार मिला करते थे,वह एकल परिवार दे नहीं पा रहा है। यही वजह है कि बच्चे आज पहले के बच्चों की तरह संस्कारी नहीं रह गए हैं। एकल परिवार के लिए समस्या हो गए है और एकल परिवार बच्चों को न समझ पा रहा है और न समझा पा रहा है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पीएम मोदी के आने के बाद से सबसे ज्यादा परेशान हैं क्योंकि पीएम मोदी ने कांग्रेस की बरसों की मेहनत पर पानी फेर दिया है, उन्होंने जिस हिंदू समाज को बरसों में कमजोर कर दिया था और वह हिंदू समाज फिर से जाति, भाषा, राज्य के दायरें से बाहर निकल एकजुट हो रहा है और यही समाज पीएम मोदी व भाजपा की ताकत है। पीएम मोदी ने 2014 के बाद सबसे ज्यादा काम किया है तो समाज के आर्थिक रूप से मजबूत करने का और महिलाओं को सबसे ज्यादा महत्व देने का। पीएम मोदी के आने के बाद महिलाओं के नाम से मकान है,राशन कार्ड है,उसे हर जरूरी सुविधा मोदी सरकार ने दी है इससे देश का सबसे बड़ा वोट बैंक मोदी के साथ है और महिलाएं पीएम मोदी व भाजपा की जीत का मजबूत आधार हैं। यही वजह है राहुल गांधी जेन जी और छात्राओं को अन्याय,स्वतंत्रता के नाम पर भड़का रहे हैं।पीएम मोदी के मजबूत महिला वोट बैंक को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।

राहुल गांधी पहली बार ऐसा नहीं कर रहे हैं वह महिला वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास पिछले चुनाव में भी कर चुके हैं वह महिलाओं को खटाखट पैसा देने का वादा करके देख चुके हैं। महिलाओं ने राहुल गांधी पर भरोसा नहीं किया। पं.बंगाल की महिलाओं,बिहार की महिलाओं ने हाल के चुनाव में दिखाया है कि वह पीएम मोदी पर भरोसा करती हैं वह जानती हैं कि पीएम मोदी जब तक हैं,उनको हर तरह की सुविधा मिलती रहेगी। राहुल गांधी जेनजी व छात्राओं के गुस्से को बढ़ा सकते हैं,पीएम मोदी के खिलाफ करने का प्रयास कर सकते हैं लेकिन वह हमेशा की तरह असफल ही रहेंगे क्योंकि देरसबेर सबको पीएम मोदी समझा देंगे कि देश का भला पीएम मोदी व भाजपा ही कर सकते हैं और यह सच भी है। पिछले 12 सालों में पीएम मोदी ने देश के भले के लिए जो कुछ किया है वह कांग्रेस भी 50 साल में कर सकती थी लेकिन क्या नहीं यही उसकी सबसे बड़ी खामी है इस खामी को आज देश की जनता बखूबी जानती है।

धान की फसल में कीट प्रकोप से बचाव के लिए किसान रहें सतर्क

तना छेदक और पत्ती मोड़क कीट की समय पर पहचान कर करें नियंत्रण, अधिक उर्वरक और जलभराव से बचने की सलाह

सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक जनसंपर्क रायपुर

धान की फसल में तना छेदक एवं पत्ती मोड़क कीट के प्रकोप को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने और फसल की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। विभाग ने कहा है कि कीटों के शुरुआती लक्षणों की समय पर पहचान कर उचित नियंत्रण उपाय अपनाने से फसल को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। खेतों में आवश्यकता से अधिक उर्वरकों का उपयोग तथा लंबे समय तक अधिक जलभराव रहने से इन कीटों का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसान संतुलित उर्वरक उपयोग और उचित जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।

तना छेदक कीट से फसल को पहुंचता है नुकसान

तना छेदक धान की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों में शामिल है। प्रारंभिक अवस्था में इसके प्रकोप की पहचान करना आसान है। प्रभावित पौधों की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं। पौधे के तने के निचले हिस्से में छोटे-छोटे छेद दिखाई देते हैं तथा मुख्य तना अंदर से खोखला हो जाता है।

बालियां सफेद पड़ना गंभीर प्रकोप का संकेत

तना छेदक का प्रकोप बढ़ने पर धान की बालियां सफेद होकर पूरी तरह सूख जाती हैं। इससे पौधे में दाने बनने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और उत्पादन में कमी आ सकती है। इसलिए खेत में यदि कुछ पौधों की पत्तियां अचानक पीली पड़ती दिखाई दें या तने में छेद नजर आएं, तो किसान तुरंत फसल का निरीक्षण कर आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाएं।

तना छेदक के नियंत्रण के लिए अनुशंसित छिड़काव

कृषि विभाग ने तना छेदक की रोकथाम के लिए क्लोरोसाइपर (क्लोरपाइरीफास 50 प्रतिशत + साइपरमेथ्रिन 5 प्रतिशत) का 50 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी है।

पत्ती मोड़क कीट की पहचान भी जरूरी

धान की फसल में पत्ती मोड़क कीट भी नुकसान पहुंचा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे सांवा कीट के नाम से भी जाना जाता है। इस कीट की हरी इल्ली धान की पत्तियों को मोड़कर उनके अंदर छिप जाती है और पत्तियों के हरे भाग को खाती है।

पत्तियों पर सफेद एवं पारदर्शी धारियां दिखाई देना प्रमुख लक्षण

पत्ती मोड़क कीट के प्रकोप के बाद पत्तियों पर सफेद एवं पारदर्शी धारियां दिखाई देने लगती हैं। पत्तियों का हरा भाग नष्ट होने से पौधे की प्रकाश संश्लेषण क्षमता प्रभावित होती है। खेत में ऐसी पत्तियां दिखाई देने पर किसान फसल का सावधानीपूर्वक निरीक्षण करें और शुरूआती अवस्था में ही नियंत्रण उपाय अपनाएं।

पत्ती मोड़क के नियंत्रण के लिए ये विकल्प

कृषि विभाग ने पत्ती मोड़क कीट के नियंत्रण के लिए किसानों को क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी का 6 से 10 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर अथवा एमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत एसजी का 8 से 10 ग्राम प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी है।

अधिक उर्वरक और जलभराव से बचें

कृषि विभाग के अनुसार खेत में आवश्यकता से अधिक उर्वरकों का उपयोग करने तथा लंबे समय तक अधिक पानी भरा रहने से कीटों के प्रकोप की स्थिति बन सकती है। किसान फसल की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें और खेत में जलभराव की स्थिति न बनने दें। नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करने से कीटों की शुरूआती पहचान और समय पर नियंत्रण संभव होगा।

समय पर पहचान और नियंत्रण से सुरक्षित रहेगी फसल

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि धान की फसल में कीट प्रकोप के शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज न करें। खेतों में नियमित निगरानी रखें और पत्तियों के पीला पड़ने, तने में छेद होने, बालियां सफेद पड़ने अथवा पत्तियों पर सफेद-पारदर्शी धारियां दिखाई देने पर तत्काल उचित नियंत्रण उपाय अपनाएं। समय पर की गई कार्रवाई से फसल को होने वाले नुकसान को कम करने के साथ बेहतर उत्पादन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सुरक्षित कृषि, समृद्ध किसान : धमतरी में पीएम फसल बीमा योजना बनी किसानों का संबल

शशिरत्न पारासर, उपसंचालक जनसंपर्क व विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक रायपुर

बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाओं के दौर में खेती-किसानी को जोखिममुक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इस दिशा में 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' किसानों के लिए एक अभेद्य आर्थिक सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में इस योजना के प्रति किसानों का विश्वास न केवल सुदृढ़ हुआ है, बल्कि इस वर्ष भागीदारी के मामलों में एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। खरीफ वर्ष 2026 में धमतरी जिले के 80 हजार 920 किसानों ने 84,277 .75 हेक्टेयर कृषि रकबे का बीमा कराकर अपनी फसलों को सुरक्षित किया है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक है, जो कृषि क्षेत्र में बढ़ते विश्वास और योजनाबद्ध खेती की ओर एक बड़ा कदम है।

पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय उछाल

धमतरी जिले में गत वर्ष खरीफ 2025 में जिले के 71 हजार 572 किसानों ने 75,977 .28 हेक्टेयर क्षेत्रफल का बीमा कराया था। इस वर्ष योजना से 9 हजार 348 अधिक किसान जुड़े हैं, वहीं बीमित रकबे में भी 8,300 हेक्टेयर से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के आईने में देखें तो धमतरी जिले में फसल बीमा के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2022 में जहां 68 हजार 425 किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया था, वहीं वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 73 हजार 264 तक पहुंच गई। हालांकि वर्ष 2024 में 72 हजार 81 और वर्ष 2025 में 71 हजार 572 किसानों ने बीमा का सुरक्षा कवच चुना, जो लगभग एक समान सहभागिता को दर्शाता है।

पांच वर्षों में बीमित किसानों की अब तक की सर्वोच्च रिकॉर्ड संख्या

धमतरी जिले में खरीफ 2026 में प्रशासनिक प्रयासों और किसानों की बढ़ती जागरूकता के कारण एक नया इतिहास रचा गया। इस वर्ष यह आंकड़ा सीधे छलांग लगाते हुए 80 हजार 920 तक पहुंच गया, जो बीते पांच वर्षों में बीमित किसानों की अब तक की सर्वोच्च रिकॉर्ड संख्या है। यह रुझान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जिले के किसान अब अतिवृष्टि, सूखा या कीट प्रकोप जैसे संभावित जोखिमों के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक हो रहे हैं।

जमीनी अभियानों व प्रशासनिक प्रयासों का असर

रिकॉर्ड संख्या में किसानों के पंजीयन के पीछे जिला प्रशासन और कृषि विभाग की ठोस रणनीति और जन-जागरूकता अभियान की बड़ी भूमिका रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में किसानों को बीमा की पात्रता, प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और अंतिम तिथि की पारदर्शी जानकारी दी गई। किसानों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए चौंस सेंटर तथा एडीसीसी बैंक शाखाओं के माध्यम से सुगम पंजीयन की व्यवस्था की गई।

फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों को मिलती है आर्थिक राहत

अनिश्चित मौसम से आर्थिक सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए किसानों को समय पर पंजीयन कराने हेतु प्रोत्साहित किया गया। किसानों की मेहनत और उनकी फसलों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों को आर्थिक राहत प्रदान करती है। इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में किसानों का जुड़ना प्रशासन, कृषि विभाग और किसान भाइयों के साझा प्रयासों का प्रतिफल है।

समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत कदम

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केवल नुकसान की भरपाई का माध्यम नहीं है, बल्कि यह किसानों में आत्म-निर्भरता और मानसिक शांति का संचार करती है। धमतरी जिले में खरीफ 2026 के दौरान बीमित रकबे और किसानों की संख्या में आई यह ऐतिहासिक तेजी सुरक्षित कृषि, सशक्त किसान और राज्य की समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

धुएँ से मुक्ति, स्वच्छ रसोई का उपहार—विष्णु भैया संग सशक्त नारी, खुशहाल परिवार

विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक व संत कच्छप, सहायक संचालक, रायपुर

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य देश के गरीब और वंचित परिवारों की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन देकर स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की 18 वर्ष से अधिक आयु की महिला मुखिया (एससी, एसटी, बीपीएल, और पीएम आवास योजना के लाभार्थी) होना आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्र नारायणपुर के ग्रामीण और दुर्गम अंचलों में एक समय वह था, जब रसोई का मतलब केवल लकड़ी, कंडे का धुआँ और आँखों में उठती जलन हुआ करता था। भोर की पहली किरण के साथ जंगल की ओर रुख करना और सिर पर लकड़ी का गट्ठा उठाकर लाना यहाँ की महिलाओं की नियति बन चुका था। इस मशक्कत में समय और शारीरिक श्रम तो लगता ही था, साथ ही धुएँ से भरा रसोईघर महिलाओं और बच्चों के फेफड़ों पर गंभीर प्रभाव डालता था। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने इस कठिन जीवनशैली को पूरी तरह बदलकर रख दिया है।

22 हजार 18 पात्र परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध

नारायणपुर जिले में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब तक 22 हजार 18 पात्र परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस पहल ने न केवल पारंपरिक ईंधन को बदला है, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर बैठी महिलाओं के जीवन में स्वाभिमान और खुशहाली की नई सुबह लाई है।

स्वच्छ रसोई, बेहतर स्वास्थ्य

उज्ज्वला योजना लागू होने से पहले भोजन बनाने के लिए केवल लकड़ी और उपलों का सहारा था। घंटों धुएँ के संपर्क में रहने से महिलाओं को सांस की बीमारियाँ और आँखों में संक्रमण जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता था। गैस चूल्हा मिलने के बाद रसोईघर का माहौल स्वच्छ और धुएँ से मुक्त हुआ है। योजना का मुख्य उद्देश्य घरेलू वायु प्रदूषण को कम कर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है, जो आज नारायणपुर के गाँव-गाँव में साकार होता दिख रहा है।

बदला जीवन, बढ़ी समृद्धि

नारायणपुर जिले के 22 हजार 18 गैस कनेक्शन केवल एक प्रशासनिक आंकड़ा नहीं हैं; यह हजारों परिवारों के सामाजिक-आर्थिक स्तर में आए बदलाव का प्रतीक हैं। धुएँ से स्वच्छता, कठिनाई से सुविधा और निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर यह बदलाव राज्य सरकार के उस संकल्प को दर्शाता है, जिसमें विकास का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्राथमिकता है।

समय और श्रम की बचत से सशक्त होतीं महिलाएँ

वनांचल क्षेत्रों में लकड़ी बीनने के लिए महिलाओं को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने से इस दैनिक कठिनाई से राहत मिली है। अब जो समय लकड़ी एकत्र करने में नष्ट होता था, उसका उपयोग महिलाएँ, बच्चों की शिक्षा और देखभाल में कर रही हैं।आजीविका से जुड़ी गतिविधियों (जैसे स्व-सहायता समूह) में लगा रही हैं। इसके साथ ही ?सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। गौरतलब है कि उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को जमा-रहित कनेक्शन के साथ आवश्यक उपकरण दिए जाते हैं। वर्तमान व्यवस्था के तहत पहला रिफिल और चूल्हा भी निःशुल्क प्रदान किया जाता है, जिससे गरीब परिवारों पर वित्तीय बोझ नहीं पड़ता। बारिश के मौसम में गीली लकड़ी से खाना पकाने की पुरानी समस्या भी अब समाप्त हो चुकी है।

कविता का कोना

दोहा

एक दिन ऐसा आएगा,वो तो लेकर जाय,
समय पाय सब होयगा ,कोई रोक न पाय।
अकड़ तभी तक रहेगी , जब तक यह तन होय,
तबियत गड़बड़ होय तब ,घबराहट भी होय।
गाड़ी ,बंगला छोड़कर ,सांसे गिननी होंय,
सभी अतिथि है यहाँ पर ,मालिक कोइ न होय।
संग कुछ भी जाता नहीं ,देह राख हो जाय।
परिजन कुछ दिन रोयगे ,पिंड दान कर आय।
दो गज कपड़ा लगेगा,लकड़ी देंगे फेंक,
घर आकर सब नहाते, चीजें देते फेंक।
पैसा बंटता जायगा, फोटो दें लटकाय
माला उस पर सजेगी ,फिर देंगे बिसराय।
जिनकी खातिर जिये थे ,वे भी संग नहि जाय,
सभी धरा रह जायगा ,नाम शेष रह जाय
खाली आये थे यहाँ ,खाली जाना होय,
लेखा होगा करम का ,वहाँ छूट नहि होय।

छत्तीसगढ़ रत्न डॉ. शिरोमणि माथुर

महतारी वंदन योजना : हर बहन के चेहरे पर मुस्कान, विष्णु भैया का यही अरमान

नारायणपुर की 27 हजार 272 महिलाओं के जीवन में आया आर्थिक और सामाजिक बदलाव

विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक, संत कच्छप, सहायक संचालक, रायपुर

महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में एक ऐतिहासिक बदलाव लाई है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रूपए सीधे बैंक खाते में मिलती हैं। यह आर्थिक मदद माताओं और बहनों को परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बना रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। नारायणपुर जिले के सुदूर और ग्रामीण अंचलों तक इस योजना का सीधा लाभ पहुँच रहा है, जहाँ 27 हजार 272 पात्र महिलाओं को डीबीटी के माध्यम से नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शुरू की गई यह योजना महिलाओं को न केवल वित्तीय संबल प्रदान कर रही है, बल्कि परिवार और समाज में उनकी निर्णय लेने की क्षमता और सम्मान को भी बढ़ा रही है।

नारायणपुर में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन

नारायणपुर जिला अपने भौगोलिक विस्तार और 419 गांवों तथा 2 विकासखंडों के साथ मुख्य रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आच्छादित है। ऐसे में प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की निश्चित राशि इन परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा बनी है।

इस योजना के तहत प्रथम चरण में जिले की 26 हजार 710 पात्र महिलाओं को निरंतर लाभ मिल रहा है। इस तरह द्वितीय चरण में नियद नेल्लानार के तहत सुदूर क्षेत्र के अंतर्गत 562 अतिरिक्त हितग्राहियों को योजना में जोड़ा गया है। जिले की कुल 27 हजार 272 महिलाएं सशक्त हो रही हैं। योजना की शुरूआत से अब तक 30 किस्तों के माध्यम से कुल 74 करोड़ 66 लाख 42 हजार 300 रुपए की राशि हितग्राहियों के बैंक खातों में सीधे जमा की जा चुकी है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रही नई गति

महतारी वंदन योजना का प्रभाव केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक असर ग्रामीण बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। महिलाओं के पास अतिरिक्त खर्च करने योग्य राशि आने से स्थानीय हाट-बाजारों, छोटी दुकानों और व्यापारियों का कारोबार बढ़ा है। इससे गांव और कस्बों की अर्थव्यवस्था में तरलता बनी हुई है और स्थानीय व्यापार को बल मिल रहा है।

सामाजिक सशक्तिकरण और आत्मसम्मान में वृद्धि

आर्थिक रूप से मजबूत होने के बाद नारायणपुर की महिलाएं अब परिवार के आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। योजना के माध्यम से मिला यह भाई का प्यार और बहनों का सम्मान-राज्य में महिलाओं के सामाजिक स्तर को ऊँचा उठाने का कार्य कर रहा है। महतारी वंदन योजना नारायणपुर जिले की हजारों महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और सामाजिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रही है।

घरेलू जरूरतों से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य तक सहारा

इस आर्थिक सहायता ने महिलाओं की वित्तीय निर्भरता को खत्म किया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से बेहतर राशन, भोजन और आवश्यक दवाइयों की खरीदारी कर परिवार का पोषण व स्वास्थ्य का देखभाल कर रही है। बच्चों की स्कूल फीस, अध्ययन सामग्री और कपड़ों की व्यवस्था करने में आसानी हो रही है। छोटे-छोटे घरेलू खर्चों को पूरा करने के बाद भविष्य की आवश्यकताओं के लिए बचत की जा रही है। इसके साथ ही रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों और अवसरों पर समय पर मिलने वाली यह राशि महिलाओं के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास को दोगुना कर देती है।

कविता का कोना

ईद का चाँद और ओणम की खुशियाँ

आसमान में जब चाँद नजर आता है,
मन को एक अजब सुकून दे जाता है।
चाँदनी से रोशन हो जाए यह जहाँ,
हर दिल में बस जाए प्यार की दास्ताँ।

ईद का चाँद जब रात में मुस्कुराए,
हर चेहरे पर खुशियों के दीप जलाए।
चाँद की तरह आपका जीवन दमकता रहे,
प्यार का उजाला हर पल चमकता रहे।

सेवइयों की मिठास बनी रहे हर पल,
खुशियों से महकता रहे आपका हर कल।
गले मिले हम, मिट जाए हर दूरी,
प्यार और भाईचारे की हो दुनिया पूरी।

फूलों वाली रंगोलियाँ आँगन सजाएँ,
ओणम की खुशियाँ हर दिल में समाएँ।
ईद की मिठास और ओणम का उल्लास,
लेकर आए जीवन में खुशियों की सौगात।

चाँद रहे रोशन, सितारे मुस्कुराते रहें,
अपने सदा एक-दूजे के करीब आते रहें।
ईद का चाँद हर साल यही पैगाम लाए,
प्रेम और भाईचारे की खुशबू फैलाए।

ईद मुबारक, ओणम की शुभकामनाएँ,
हर घर में खुशियाँ और प्यार मुस्कुराएँ।

कवियत्री-
ममता दुबे मिलाई

साप्ताहिक जलसा
स्वयंसिद्धा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य, संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

सड़कों पर आवारा पशुओं के खिलाफ एक मुहिम होना जरूरी हो गया है

संस्था प्रमुख डॉ.सोनाली चक्रवर्ती ने कहा -"भारत में आवारा पशुओं और मवेशियों के कारण हर साल हजारों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार आवारा पशुओं व जानवरों के कारण देश में हर साल 1,300 से अधिक मौतें होती हैं।

छत्तीसगढ़ और हरियाणा जैसे राज्यों के स्थानीय आंकड़ों के अनुसार, केवल आवारा पशुओं की टक्कर से हर साल सैकड़ों मौतें होती हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ में कुछ वर्षों के दौरान मवेशियों के कारण 400 से ज्यादा लोगों की मौत के मामले सामने आए हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एको एक्सीडेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े महानगरों में आवारा जानवर सड़क दुर्घटनाओं का दूसरा सबसे प्रमुख कारण हैं। इन हादसों में लगभग 58% से 62% घटनाएं आवारा कुत्तों के कारण और करीब 25% से 29% घटनाएं गाय, सांड व अन्य मवेशियों के अचानक सड़क पर आ जाने से होती है। इन हादसों का शिकार सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन (स्कूटर और बाइक) चालक होते हैं।

नीदरलैंड दुनिया का पहला ऐसा देश है जहां सड़कों पर एक भी आवारा कुत्ता नहीं घूमता है। इसके अलावा जर्मनी, स्वीडन, सिंगापुर, जापान और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी सख्त कानूनों और बेहतरीन प्रबंधन के कारण आवारा पशु सड़कों पर नजर नहीं आते हैं। भारत में आवारा पशुओं की समस्या इसलिए है क्योंकि नगर निगमों द्वारा बड़े पैमाने पर कुत्तों और अन्य पशुओं की समय पर नसबंदी नहीं कराई जाती है, जिससे इनकी संख्या तेजी से बढ़ती है।

सड़कों और गलियों में खुला कचरा और मांस का कचरा आसानी से मिलने के कारण आवारा पशुओं को भोजन मिल जाता है, जिससे उनका जमावड़ा सड़कों पर बना रहता है। कई पशुपालक दूध देना बंद करने पर गाय या अन्य मवेशियों को सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं। लोग अपने पालतू कुत्तों का पंजीकरण नहीं करवाते और कई बार उन्हें सड़कों पर छोड़ देते हैं।

स्थानीय प्रशासन और नगर निकायों के पास शेल्टर होम बनाने और बड़े पैमाने पर अभियान चलाने के लिए पर्याप्त बजट और संसाधनों की कमी रहती है। भारत में एनिमल बर्थ कंट्रोल (अइउ) नियमों के तहत आवारा पशुओं को मारना गैर-कानूनी है। जब प्रशासन या लोग उन्हें हटाने की कोशिश करते हैं, तो पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और प्रेमियों का विरोध सामने आता है। भारत में आवारा पशुओं और कुत्तों की संख्या करोड़ों में है, जिसके कारण त्वरित और पूर्ण समाधान पाना एक बहुत बड़ी प्रशासनिक चुनौती बन गया है।

शिक्षिका कुदसिया अली कहती है-"ये बात तब की है जब मेरी बेटी मात्र 4 साल की थी। हमलोग एक्टिवा से मैत्री गार्डन जारहे थे। अचानक एक गाय बीच रोड पर दौड़ गई, मैने गाड़ी स्लो किया साइड लगाने के लिए परंतु वह हमें आकर जोर से धक्का मार दी जिसकी वजह से संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी के साथ हम गिरे। गिरने से बेटी का पैर एक्टिवा के नीचे दब गया जिसके वजह से उसको फ्रैक्चर आया। प्लास्टर बांधना पड़ा। अक्सर ऐसा होता है कि बेवजह जान चले जाती है इन बेजुबान के वजह से। बीच सड़क पे यदि कोई काली गाय बैठ जाये और अंधेरा हो गया हो तो ये दुर्घटना का सबब बन जाता है।

प्रगति नगर निवासी शीला प्रकाश कहती है-" गाय से तो मेरा घर से निकलना मुश्किल हो गया है। हर वक्त घर के दरवाजे पर दो तीन गाय या बैल खड़ा रहता है। डंडा से भगाती हूं या पानी डालती हूं तब जा कर बाहर निकल पाती हुं। आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ते जा रही है। इसका समाधान होना चाहिए।

राधिका नगर निवासी रीता वैष्णव कहती है -" आज का विषय पर चर्चा होना बहुत जरूरी है क्योंकि ये दिक़्कत अब सभी के हो गए है। पशुओं को खुले आम सड़कों पर भटकने के लिए छोड़ दिया जाता है अक्सर हम लोगों से सुनते है अचानक गाय आ गई और गाड़ी उससे टकरा गई और हम गिर गए, चोट लग गई, हाथ पैर पर कभी किसी का सिर फटा हेलमेट नहीं पहनने की वजह से। मेरे परिचित के भैया सेक्टर -6 स्कूल के रास्ते पर रात में बाइक से जा रहे थे। बारिश होने की वजह से गाय बैठी दिखाई नहीं दी और टकरा गये। सिर के बल गिर गए और वहीं पर ही डैथ हो गयी। ऐसा नहीं है कि हम किसी भी पशु पक्षी जीव जंतु को पालने से रोक रहे है लेकिन अगर वो पशु दुर्घटना का कारण बन रहे हैं सड़क पर चलना दुर्भर हो जाये लोग परेशान हो रहे है इस समस्या का समाधान करना ही होगा। कठोर कार्यवाही होनी चाहिए ताकि जानवर को खुले आम नही छोड़े।

लेखिका आरती तिवारी कहती हैं-"लोग पालतू पशुओं को बाहर विचरण करने के लिए छोड़ देते हैं और ये पशु सड़क साफ सुथरा एवम सूखा होने के वजह से बीच सड़क में बैठ जाते हैं जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेष कर रात के अंधेरे में दिखाई न पड़ने से वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। हम लोग भी शाम के समय कहीं जाते हैं तो दूर से ये जानवर नजर नही आते एवम दुर्घटना होते होते बचते हैं। पहले पशुधन को बहुत सम्हाल कर रखा जाता था।

सरकार से निवेदन है कि ऐसे जानवर को पकड़कर कांजीहाउस मे छोड़े एवम सड़कों मे उचित प्रकाश की ब्यवस्था करें। इसी प्रकार सड़कों मे अवारा कुत्तों की मौजूदगी से उनके काटे जाने का हमेशा अंदेशा रहता है। कई बार कुत्ते वाहनों के साथ भौंकते हुए दौड़ते हैं जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है एवम राहगीरों को काट भी देते हैं, स्थानीय प्रशासन से निवेदन है कि डॉग हाउस बनाकर अवारा कुत्तों को रखें।

शिक्षाविद डॉ.शिशिरकणा भट्टाचार्य का कहना है-"बारिश के मौसम में मवेशी सड़क पर इसलिए बैठते हैं कि उनको चलती सड़क पर सूखी जगह मिल जाती है और वाहनों के आने जाने से उन पर मक्खियां नहीं बैठती। यदि सड़कों के किनारे या जहां खाली जगह हो थोड़ा मुर्रम या डामर वाली खाली जगह रहे जिस पर कुछ ऊंची छानी हो तो शायद उनको उस तरफ मोड़ा जा सके। पहले तो उनको उस ओर हांकना होगा फिर शायद उनकी आदत बने। वास्तव में यह बड़ी समस्या है और उनको चोट लगने से बहुत दुःख भी होता है।

शिक्षिका दुर्गा अधिकारी कहती है -"पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अंतर्गत, पालतू जानवरों को लावारिस या आवारा छोड़ना एक दंडनीय अपराध है। इसमें कोई हादसा होने पर मालिको पर कार्यवाही का प्रावधान है लेकिन अधिकांश को जानकारी नही होती या लगता है कौन इस पचड़े में पड़े? आज प्रत्येक गली चौराहों पर जानवरों की भरमार रहती है। समझ ही नही आता कि ये किसके हैं? एक बार तो हमारे रूवाबांधा सेक्टर की पार्षद सभी? आवारों पशुओं को कांजीहाऊस ले जाने की तैयारी कर चुकी थी तो सेक्टर वालों ने ही साथ नही दिया और मालिक लोग छुड़ाकर ले गये। कानून बने हैं पर उनका पालन नही होता। प्रतिवर्ष तेज वाहन चलाने, नशा करके चलाने, खराब सड़क होने से जितने लोग काल के गिल में समा जाते हैं तो लगभग उतने ही लोग जानवरों से टकराकर और जानवरों को बचाने के चक्कर में असमय मृत्य को प्राप्त हो जाते हैं। अंत में, यही कहना चाहती हूं कि कहीं जागरूकता की कमी हम लोगों में भी है और कुछ प्रशासन भी चुस्त नही है क्योंकि यहां सुप्रीम कोर्ट के भी आदेशों की धज्जियां उड़ायी जाती है खुलेआम।

शासकीय व्याख्याता शीला चंद्रा जी कहती हैं-"एक मुहिम अब सड़को पर जो अवारा मवेशी है उनपर भी होनी चाहिए। यकीन मानिए कई जगह तो इनके झुंड डिवाइडर का काम कर रहे तो कई जगह 2 'ल्ली को 1 लेन बना चुके है। वाहनों की आवाजाही पर तो ट्रैफिक पुलिस का ध्यान है पर इस दिशा में कौन ध्यान देगा समझ से परे है। समय के साथ हालात और बिगड़ रहे खासकर छत्तीसगढ़ में।

तालपुरी निवासी पुनीता कौशल कहती है -" पंथी चौक पर भी हमेशा गाय बेल बैठे रहते है हटते भी नहीं हॉर्न से। स्ट्रीट डॉग्स का आतंक के कारण भी घर से निकलना मुश्किल होता है गली में।

शिक्षिका राजश्री नायर कहती है -"कुछ दिन पहले मेरी गाड़ी के सामने अचानक एक गाय आ गयी। मेरी गाड़ी अनबैलेंस हो गई। बहुत बड़ा एक्सीडेंट हुआ। मैंने जैसे तैसे गाड़ी को संभाला। अच्छा हुआ गाय को चोट नहीं आई। मेरी गाड़ी बहुत डैमेज हो गई। डिवाइडर से रगड़ा गई। इसके लिए कुछ ऐक्शन लेना जरूरी है। मवेशियों को इस तरह से छोड़ दिया जाता हैं रास्ते में। जिसके कारण बहुत सी दुर्घटना होती हैं।

विनीता गुप्ता कहती हैं-"मैंने छातागढ़ गौशाला के अध्यक्ष जी से इस विषय में बात भी की थी लेकिन आवारा मवेशियों की तादाद बहुत बढ़ रही है। वो बता रहे थे सिर्फ शिकायतों से ही गौशाला में गायों की संख्या में वृद्धि हो रही है' ये वाकई में बहुत चिंता जनक है, विशेषकर रात में दुर्घटना की स्थिति लगातार बनी रहती है।

शहरनामा
अजय सोनी

अकेला आदमी कितना पहाड़ खोदेगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बहुत सी बातों और घटनाक्रमों को खबर के रूप में उकेरना संभव नहीं होता। लेकिन एक खबरनवीस का काम है कि घुमा फिरा के ही सही लेकिन मूल बातें पाठकों तक पहुंचे जरूर। शहरनामा उसी कालम का नाम है जहां हर वो चीजें आपको पढ़ने मिलेंगी जो कहीं किसी भीड़ में, कहीं किसी कारणवश दबी रह जाती हैं।

बहुत सोचा, बहुत विचार किया कि इतने लंबे समय से छूटे मसलों को एक साथ एक डोर में कैसे पिरोया जाए? लेकिन फिर ख्याल आया कि कौन सा मैं यहां माला बनाने बैठा हूँ। मुझे तो एक रस्सा कसना है जिसके हर रेशे को मुझे ही तैयार करना है। तो आइए आज पहले रेशे का निर्माण करना शुरू करते हैं।

शहर हमारा संस्कारधानी जिला हमारा राजनांदगांव। भले ही अब तीन टुकड़ों में विभक्त हो चुका है लेकिन शहर के संस्कार जीवित हैं। इसलिए जीवित हैं क्योंकि बीते लंबे अरसे से ना किसी ने विद्युत विभाग में आगजनी की और ना ही किसी ने विद्युत विभाग में कोई हंगामा किया जबकि बिजली कटौती का माहौल कुछ ऐसा है कि अब तक तमाम क्रांतिकारी लोगों को जाग जाना था।

दरअसल इस बार ज्यादातर क्रांतिकारियों के सोए रहने का कारण है। एक कारण यह है कि भाजपा की सरकार है और भाजपा से जुड़े लोग जिम्मेदारी से ठेके और सप्लाय में व्यस्त हैं। विपक्ष में कांग्रेस है लेकिन अकेला जीतू कितना ही पहाड़ फोड़ लेगा वाली स्तिथि है। बाकी बहुतेरे विपक्षी नेता या तो अन्य प्रदेशों के दौरे पर व्यस्त हैं या तो धार्मिक आयोजनों में। कुछ लोग पटरी के उस पार तक ही सीमित रहने का गुर सीख चुके हैं और कुछ लोगों से संगठन या यूं कहें कि ईश्वर से सब पद ही छीन लिया है।

खैर अब ठेके और सप्लाय से इतर सोलर वाला भी कमाई का मामला सेट है। भीतरखाने से निकली खबरों के अनुसार बिजली विभाग के कर्मचारियों को बीमा एजेंट की तरह सोलर पैनल के लिए दौड़ाया जा रहा है और एक विशेष ग्रुप का भी निर्माण किया गया है जिसमे जिला पंचायत से लेकर बैंक और रोलर वाले सभी जुड़े हुए हैं। एक व्हाट्सएप्प ग्रुप ही है रूपचंद जी का जहां कम से कम ये पता चलता है कि लाइट क्यों बंद है और कब तक वापस आएगी। बाकी सब नमस्कार।

डोंगरगढ़ भाजपा में बवाल

बीते दिनों जिले में एक खबर सुर्खियों में रही। डोंगरगढ़ में भाजपा संगठन में जमकर बवाल हुआ और कुछ लोगों को निष्कासित भी कर दिया गया। बताया जाता है कि भाजपा संगठन के कुछ नेता पत्रकारों से भी खासे नाराज हुए जिन्होंने दूध का दूध और पानी का पानी दिखाया।

खैर ये उनका निजी मामला है और अपने को इन सब मे पड़ना भी नहीं है क्योंकि अब फिर से नया मंडल अध्यक्ष बनाये जाने की तैयारी हो चुकी है और शायद जिसे बनाया जाना है वो उम्र की सीमा को लांघ चुका है। लेकिन लेकिन लेकिन, तीन बार लेकिन धोखे से नहीं बल्कि जानकर लिखा गया है क्योंकि ..... अब आगे पढ़िए लेकिन बात ये समझ से परे है कि आखिर संगठन में लड़ाई शुरू कहाँ से हुई? वर्चस्व को लेकर या फिर किसी ऐसे धंधे को लेकर जिसके बिना सत्ता के गलियारों तक धमक की धाम संभव ही नहीं है।

खैर जब जिले की चुस्त दुरुस्त पुलिस ही आज तक करवारी कांड के मुख्य कांडी को नहीं खोज पाई तो हम कौन होते हैं धंधे पानी की बात करने वाले। वैसे भी चार लाइन लिखो तो लोग थाने पहुंच जाते हैं। बीते दिनों भिलाई के एक पत्रकार ने फार्महाउस कांड का जिक्र किया था तो कुछ नेता थाने पहुंच ही गए थे। अब क्यों गए थे वो वही जानें और उनका पुराना करम जाने।

सूचक भाई की सूचना

इस शहर में सूचक भाई की नजरों से आज तक कोई बच नहीं पाया। बीते कुछ दिनों से शहर में ताबड़तोड़ धार्मिक और संगठन के आयोजन हुए। वैसे भी भाजपाई और कांग्रेसी जरा रा सी बात पर जश्न मनाना नहीं भूलते और सही भी है। इंसान को खुश होने के मौके तलाशने चाहिए।

इसी तरह के एक आयोजन में सूचक भाई महाकाल चौक अर्थात मानव मन्दिर चौक में भीड़ में बुरी तरह फंसे और दुपहिया रोके रोके उन्होंने देखा कि भाजपा का एक ऐसा युवा नेता जो सट्टे में लिप्त है वो जमकर नारेबाजी कर रहा है वो भी कद्दावर नेताओं के बीच।

सूचक भाई जैसे जैसे वहां से निकले और आ कर ये बात बताई। मैंने कहा भाई युवा नेता का नाम तो बताओ। सूचक भाई ने दो समोसे गटकने के बाद भी नाम नही उगला। कहा किसी और दिन। मैंने फिर सोचा कि हमे क्या। संगठन जाने और संगठन का काम जाने। बन्द किया लैपटॉप और लगे सोचने ये कि पेट कैसे पाला जाए? क्योंकि अपने पास तो ... ।।

रोशन हुई मस्जिदें, आज निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पैगम्बर हजरत मुहम्मद के जन्मदिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर शहर में 26 अगस्त को सुबह से देर रात तक कई आयोजन होंगे। ईद मिलादुन्नबी को देखते हुए शहर की तमाम मस्जिदों, खानकाहों और मदरसों में रोशनी की गई है। यहां तय वक्त पर परचमे इस्लाम फहराया जाएगा। वहीं जुलूस-ए-मुहम्मदी भी हर साल की तरह इस साल भी दोपहर में निकलेगा। जुलूस के रास्ते में जगह-जगह सबील, लंगर और दूसरे इंतजाम अलग-अलग कमेटियों की तरफ से किए गए हैं। जुलूस के बाद शाम को जामा मस्जिद सेक्टर-6 में तकरीर होगी।

शहर में जुलूस-ए-मुहम्मदी की शुरूआत 26 अगस्त बुधवार को दोपहर 02 बजे गौसिया मस्जिद केम्प-1 के पास से होगी। जुलूस यहां से लिंक रोड से होते हुआ केम्प - 2, रजा जामा मस्जिद दोपहर 02:45 बजे तक पहुंचेगा। वहां से मदरसा रोड - शीतला कॉम्प्लेक्स से नंदिनी रोड, फ्लाई ओवर ब्रिज पार कर शाम 4 बजे मुर्गा चौक पहुंचेगा। हाउसिंग बोर्ड की तरफ से आने वाली अंजुमन फौजी नगर, छावनी चौक, नन्दिनी रोड होते हुए पावर हाउस पहुंचेगी और खुसीपार जोन 1/2 व जोन-3 से आने वाली तमाम अन्जुमन पावर हाउस होते हुए 4 बजे तक इक्विपमेंट चौक पहुंचेगी। फिर जुलूस सेंट्रल एवेन्यू रोड (पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग) से सेक्टर-5 चौक होते हुए शाम 6:00 बजे सेक्टर-6 जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान में पहुंचेगा और शाम 6:10 बजे परचम कुशाई होगी। जामा मस्जिद सेक्टर-6 ईदगाह मैदान में मगरिब की नमाज के बाद रहमते आलम कान्फ्रेंस रखी गई है। जिसमें हसन रजा कादरी कोलकाता की तकरीर होगी। निजामत गुलाम मोहिउद्दीन रजवी करेंगे। वहीं शायरे इस्लाम डॉ. जहीरुद्दीन रहबर सहित तमाम शायर हम्द ओ नात का तोहफा पेश करेंगे।

रक्तदान शिविर में किया 25 यूनिट रक्तदान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ईद मिलादुन्नबी के आयोजनों के सिलसिले में सैयदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई 3 में रविवार 23 अगस्त को रक्तदान शिविर रखा गया। इस दौरान 25 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे ब्लड डोनेट गुड होप ब्लड संस्था रायपुर की टीम ने संग्रह किया। इसका उपयोग विभिन्न बीमारियो से जुझ रहे रोगियों, गर्भवती महिलाओं और हादसों में घायल अत्यंत गंभीर मरीजों के लिए किया जाएगा। आयोजन समिति की ओर से रक्तदाताओं को सुरक्षित वाहन चालन के लिए हेलमेट उपहार में दिया गया। सभी रक्तदाताओं ने समाज के बीच रक्तदान को लेकर और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। आयोजन में सैयदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई-3 से रुस्तम खान सदर, नसीम खान सेक्रेटरी, रईस अहमद कैशियर, मोहम्मद तौसीफ, तौहीद खान, अब्दुल हुसैन, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद हाशमी, अबुल हसन, तौसीफ हनफी, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद लतीफ, अजहर खान मोहम्मद हाशमी, फारूक चौहान, अब्दुल रियाज और अब्दुल लतीफ सहित अन्य लोगों का योगदान रहा। यह जानकारी मोहम्मद इमरान नारायणा लैब टैक्नीशियन ने दी।

जागरूकता कार्यक्रम — युवाओं से कौशल, मेहनत और नवाचार को अपनाने का किया आह्वान

कोहका में उद्यमिता कार्यक्रम: युवाओं को स्वरोजगार का मंत्र दे गए भाजपा नेता कन्हैया सोनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा कोहका स्थित इन्दू आईटीआई स्कूल में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता कन्हैया सोनी शामिल हुए। अपने संबोधन में कन्हैया सोनी ने युवाओं से कौशल, मेहनत और नवाचार को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब युवा उद्यमिता की ओर आगे बढ़ेंगे। कार्यक्रम में चेंबर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, इन्दू आईटीआई के डायरेक्टर एस.के. उमंग सहित चेंबर पदाधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। चेंबर द्वारा युवाओं के लिए आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कन्हैया सोनी ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

जी एच रायसोनी स्मृति संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा के विजेताओं को अरुण वोरा ने बांटे पुरस्कार

धैर्य, लगन एवं कड़ी मेहनत से सफलता पा सकते हैं- अरुण वोरा
जी एच रायसोनी राज्य स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा के लिए हुआ 56 खिलाड़ियों का चयन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जी एच रायसोनी कल्चर फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग में आयोजित जी एच रायसोनी स्मृति संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह भव्यतापूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अरुण वोरा थे। अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि दाऊ चंद्रिका दत्त चंद्राकर, इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन, अनीस अंसारी, फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, ऋषि साहू उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरुण वोरा ने सफल आयोजन के लिए जिला शतरंज संघ दुर्ग की सराहना करते हुए विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा अन्य खिलाड़ियों को आगे अच्छे प्रदर्शन करने की अपील करते हुए उन्हें भी शुभकामनाएं दी तथा कहा कि धैर्य, लगन एवं कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने रायसोनी स्पोर्ट्स एवं कल्चर फाउंडेशन तथा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि निश्चित ही ऐसे आयोजन से प्रतिभा निखरकर सामने आएगी।

कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने सारगर्भित उद्बोधन में खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शहर में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु सदैव प्रयासरत रहूंगा। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि स्पर्धा में दुर्ग संभाग के 164 स्कूली शतरंज खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसमें कुल 50 हजार रुपए नगद एवं विजेताओं को ट्रॉफी, मोमेंटो एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

सभी वर्गों के विजेताओं एवं चयनित 56 खिलाड़ियों के नाम: स्पर्धा में अंडर 7, 9, 11, 13, 15, 17 एवं अंडर 19 वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग में खेली गई। सभी वर्गों के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम से चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले कुल 56 खिलाड़ी आगामी अक्टूबर माह में रायपुर में आयोजित जी एच रायसोनी स्मृति राज्य स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा में प्रवेश की पात्रता रखेंगे।

अंडर 19 बालक वर्ग में प्रथम शिवन रॉय द्वितीय आदर्श जायसवाल, तृतीय शिवम शर्मा बालिका वर्ग में गायत्री गुप्ता द्वितीय प्रणाली निर्मल, तृतीय प्रियंका यादव। अंडर 17 बालक वर्ग में प्रथम साहिल पटेल द्वितीय सालिक नवाज मनिहार तृतीय प्रतीक सिंह ठाकुर चतुर्थ कार्तिक चौधरी बालिका वर्ग में प्रथम अदिति शर्मा द्वितीय आयशा परवीन तृतीय पूर्वी पटेल चतुर्थ वेदिता वर्मा। अंडर 15 बालक वर्ग में प्रथम शुभम सिंह द्वितीय ईशान सैनी तृतीय गुणवंत साहू चतुर्थ अभिनव सिंह राजपूत बालिका वर्ग में प्रथम परिधि लिलहारे द्वितीय कासवी जैन तृतीय चारवी माण्डले चतुर्थ किमाया चंगुलानी।

अंडर 13 बालक वर्ग में प्रथम प्रांजल सिंह द्वितीय शिल्प कुमार घोड़ेसवार तृतीय नेहुल कुमार निर्मल चतुर्थ रेयांश वर्मा बालिका वर्ग में प्रथम इशिका मड़के द्वितीय राशि वरुणकर तृतीय लक्षिता राठी चतुर्थ अर्निका पारख। अंडर 11 बालक वर्ग में प्रथम अवनीत सिंह गौर द्वितीय अन्वित श्रीवास्तव तृतीय सर्वेश लिलहारे चतुर्थ चनवीर सिंग बालिका वर्ग में प्रथम मानस्वी शर्मा द्वितीय अनिका पटेल तृतीय श्रिया भारद्वाज चतुर्थ वंशिका। अंडर 9 बालक वर्ग में प्रथम पारस यादव द्वितीय तुषार यादव तृतीय शाक्य निशांत सूर्य चतुर्थ शौर्य लोहिया बालिका वर्ग में प्रथम इधिका वरुणकर द्वितीय अविका धर्माधिकारी तृतीय आन्या सिंह चतुर्थ अवनी पांडे। अंडर 7 बालक वर्ग में प्रथम मेदांश सोरी द्वितीय हरदीप सिंग सचदेव तृतीय शौर्य नायक चतुर्थ वंश खंडेलवाल बालिका वर्ग में प्रथम शान्वी झा द्वितीय श्रेष्ठा भारद्वाज तृतीय गुरप्रिया कौर चतुर्थ रिधिमा।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं सहायक निर्णायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा एवं मुदिता पांडे, सुरेश होता, धीरज चावरे, दिव्यांशु उपाध्याय, हेमा नागेश्वर, विक्रम सिंह राजपूत थे। आयोजन में संघ के दिनेश जैन, गुलाब चौहान, सुदीप भाई एवं अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा। अंत में अतिथियों को जिला शतरंज संघ दुर्ग की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला शतरंज संघ दुर्ग के सचिव तुलसी सोनी एवं आभार प्रदर्शन अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

एजुकेशन सिस्टम ऐसा हो कि

हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का मौका मिले : भूमि पेडनेकर

डॉ. अश्विन फर्नांडिस ने पैक्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह और गोवा के पहले कम्युनिटी रेडियो स्टेशन मंडोवी के लॉन्च पर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने शिरकत की। समारोह के बाद अभिनेत्री ने बातचीत में कहा कि कोई देश तभी खुशहाल हो सकता है, जब यहां की एजुकेशन अच्छी हो। अभिनेत्री ने समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं इस खास आयोजन में शामिल होने के लिए बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो ऐसी कहानियों से भरी है। यहां आकर मैं बहुत इंस्पायर हो गई हूं।' अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि समारोह में शामिल होकर काफी प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना ??है कि एक मजबूत, खुशहाल समाज और खुशहाल देश तभी बन सकता है, जब अच्छी एजुकेशन दी जाए, खासकर स्टूडेंट को। मुझे लगता है कि डॉ. अश्विन फर्नांडिस के सपोर्ट से ऑर्गनाइजेशन ने बहुत शानदार काम किया है। एजुकेशन जरूरी है, मैं खुद मध्य प्रदेश में इसी को लेकर काम कर रही हूं। उनका मानना है कि सभी को डॉ. अश्विन फर्नांडिस से सीखना चाहिए कि इतना बड़ा इम्पैक्ट डालने के लिए सिस्टम और प्रोसेस कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, 'गोवा आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है।' अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे समाज के कुछ हिस्सों को उस तरह की एजुकेशन नहीं मिल पाती, जो इस तरह के स्टेज दे रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एजुकेशन का ट्रेडिशनल रास्ता अपनाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह इसके लिए है कि बच्चा आगे बढ़कर अपने जीवन में क्या करेगा या कर सकता है, जैसे कि वह स्पोर्ट पर्सन बन सकता है, नासा में जा सकता है, फिल्मी जगत में नाम बना सकता है। ऐसे ही कई जगहों में अपना करियर चुन सकता है। मेरा मानना है कि ग्लोबल एजुकेशन को इतना मजबूत होना चाहिए कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का मौका मिले।

निक जोनस की इस बात पर आया प्रियंका चोपड़ा का दिल?

बताई रिश्ते के मजबूत होने की वजह

प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि वह क्या वजह रही, जिसके चलते उनका रिश्ता उनके पति से और मजबूत हो गया। हाल ही में वह 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर में पहुंची थीं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करतीं। इकोनॉमिक टाइम्स से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।' प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं।

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है 'रात कालिया' सॉन्ग : शहजान पद्मसी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना 'रात कालिया' से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया। अभिनेत्री ने बताया, 'एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।' अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, 'मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया। अभिनेत्री ने आगे गाना 'रात कालिया' के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है।

धुरंधर 2 के बाद हिंदी बॉक्स ऑफिस में सबसे तेज एडवांस बुकिंग

टॉक्सिक ने दिखाए ब्लॉकबस्टर के संकेत

यश की 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने रिलीज से पहले ही हिंदी बॉक्स ऑफिस में अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। 26 अगस्त को सिनेमाघरों में पहुंचने जा रही इस फिल्म की एडवांस बुकिंग ने इसे 'धुरंधर 2' के बाद 2026 की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। खास बात यह है कि कन्नड़ मूल की फिल्म होने के बावजूद हिंदी बाजार में 'टॉक्सिक' जिस रफ्तार से टिकट बेच रही है, उसने इसे मौजूदा दौर की बड़ी हिंदी रिलीजों की कतार में खड़ा कर दिया है। हिंदी बाजार में फिल्म की शुरुआती पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स श्रृंखलाओं में शुरुआती छह घंटों में ही 'टॉक्सिक' के करीब 30 हजार टिकट बिक गए थे। यह आंकड़ा इस साल की कई बड़ी ओपनिंग फिल्मों की शुरुआती बुकिंग से बेहतर बताया जा रहा है। यही वजह है कि कारोबार के जानकार अब यश की फिल्म के हिंदी बाजार में बड़े ओपनिंग आंकड़े की उम्मीद कर रहे हैं।

धुरंधर 2 के बाद सबसे मजबूत शुरुआत

2026 में हिंदी फिल्मों के बीच एडवांस बुकिंग का सबसे बड़ा दबदबा रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बनाया था। फिल्म ने रिलीज से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में टिकट बेच दिए थे कि उसके शुरुआती दिन की एडवांस बुकिंग 29 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई थी। ब्लॉक बुकिंग को अलग करने पर भी वास्तविक टिकट बिक्री से करीब 20.66 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज हुई थी और लगभग 4.74 लाख टिकट बिके थे। इसके बाद 'टॉक्सिक' का तेजी से आगे बढ़ना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी पहले से स्थापित हिंदी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी नहीं है। 'धुरंधर 2' जहां सफल फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता के साथ रिलीज हुई, वहीं 'टॉक्सिक' यश की स्टार पावर और 'केजीएफ' के बाद उनके प्रति बने दर्शक उत्साह के आधार पर हिंदी बाजार में अपनी जगह बना रही है। कारोबार विश्लेषकों ने भी इसे 2026 की दूसरी सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्म बताया है।

हिंदी संस्करण ने पार किया 7 करोड़ रुपये का आंकड़ा

देशभर की सभी भाषाओं को मिलाकर 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग 27 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है, जिसमें ब्लॉक बुकिंग भी शामिल है। इनमें हिंदी 2डी संस्करण ने अब तक करीब 7.65 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज की है।

गातार 3 फ्लॉप के बाद सुपरहिट की तैयारी में रवि तेजा

पिछले कुछ समय से रवि तेजा की फिल्में कोई खास कमाल नहीं दिखा रही थीं. लेकिन अब लगातार 3 फ्लॉप देने के बाद उनकी फिल्म इरुमुडी ने कमाल कर दिया है. इसका ओपनिंग डे कलेक्शन हैरान करने वाला है.

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रवि तेजा का अलग ही मौकाल है. वे हिंदी ऑडियंस के बीच भी काफी पॉपुलर चेहरा हैं. पिछले 2 दशक में उनकी कई सारी फिल्में रिलीज की गई हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर के दिखाई है. लेकिन पिछले कुछ समय से उनकी फिल्मों का हाल अच्छा नहीं जा रहा था. अलग-अलग मिजाज की फिल्में करने के बाद भी उनके हाथ निराशा लग रही थी. लेकिन अब एक्टर ने एक बार फिर से जोरदार वापसी कर ली है. उनकी फिल्म इरुमुडी सिनेमाघरों में धूम मचा रही है. इस फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं.

इस फिल्म में मेरा किरदार पिछले किरदारों से काफी ग्लैमरस है : विधात्री बंदी

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने फीचर फिल्म 'मैक्स, मिन और मियोज्स्की' में कैरोल सेक्वेराका महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में बताया कि ये किरदार उन्हें किस तरह से मिला है। उन्होंने बताया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थी। उसी दौरान उन्हें 'कैरोल सेक्वेराका' के किरदार के बारे में पढ़ने का मौका मिला था, जिसके उन्होंने इसे करने के लिए मैनिफेस्ट किया था। उन्होंने कहा, 'असल में, मैं 'मिन' का ऑडिशन देने के लिए गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्वेराका के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। लेकिन मैंने ये बात बस अपने तक ही रखी और किसी को नहीं बताई थी। 2 दिन बाद कास्टिंग टीम से फोन आया कि डायरेक्टर्स चाहते हैं कि मैं 'कैरोल' के लिए ऑडिशन दूं। फिर मैंने ऑडिशन दिया और तुरंत मेरा सिलेक्शन हो गया। सेलेक्ट होने के बाद पैडी ने मुझे पूरी कहानी सुनाई। उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म करनी ही है।' अभिनेत्री ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए कहा कि 'कैरोल सेक्वेराका' का किरदार उनके पिछले किरदारों से ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'जलसा' में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे। 'द डिप्लोमैट' में मैंने एक पंजाबी एंबेसी ऑफिसर का किरदार निभाया था, जिसमें मैं फॉर्मल कपड़े पहनती थी, लेकिन इस फिल्म में मैं बिल्कुल मुंबई की लड़की जैसी लग रही हूं। मेरे घुंघराले बाल हैं और मेरा लहजा भी नॉर्मल है।' अभिनेत्री ने आगे अपनी अब तक की जर्नी के बारे में बताया कि उनके करियर की रफ्तार काफी धीमी रही है।

क्या तापसी ने दिया कंगना को जवाब?

कंगना रनौत की हालिया टिप्पणी पर तापसी पन्नू ने एक रहस्यमयी पोस्ट की है। माना जा रहा है कि यह कंगना को उनका जवाब है।

अभिनेत्री कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच लंबे समय से जुबानी जंग चल रही है। उनकी तीखी बहस अक्सर सुर्खियों में रही है। हाल ही में तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या उन्होंने झगड़ा खत्म कर दिया है, जिस पर उन्होंने परवरिश के बारे में बात की। इस पर कंगना के प्रतिक्रिया देने के बाद विवाद फिर से शुरू हो गया। अब तापसी पन्नू ने फिर से शुरू हुए झगड़े के बीच रहस्यमयी

रहस्यमयी पोस्ट के जरिए दी ऐसी प्रतिक्रिया

पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी है।

तापसी पन्नू ने क्या प्रतिक्रिया दी?

कंगना रनौत की हालिया टिप्पणी पर सीधे तौर पर कुछ न कहते हुए, तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया। इसमें बस इतना लिखा था, 'साबित हो गया।' इसके साथ, ऐसा लगता है कि तापसी अपने हालिया बयान पर कायम हैं। उन्होंने कहा था कि कंगना के बारे में उनकी राय उनकी परवरिश को दिखाती है, ठीक वैसे ही जैसे कंगना की राय उनकी अपनी परवरिश से बनी है। 'थप्पड़' एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह देखने और तय करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आया है।'

'1000 करोड़ी फिल्म का मतलब यह नहीं कि...', 'हैवान' अभिनेत्री सैयामी खेर ने सुनाया '8 एएम मेट्रो' का किस्सा

फिल्म 'हैवान' की अभिनेत्री सैयामी खेर ने बॉलीवुड में कलाकारों की काबिलियत और बॉक्स ऑफिस पर बात की है। उन्होंने उन मेकर्स की भी तारीफ की है जिन्होंने उन्हें मौके दिए। अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म 'घूमर' और '8 एएम मेट्रो' के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता। बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है।

अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती। उन्होंने कहा कि मैं '8 एएम मेट्रो' जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूं।

यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया। जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था। मुझे लगता है कि '8 एएम मेट्रो' से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला।

जाह्नवी कपूर के अश्लील कंटेंट पर हाईकोर्ट सख्त

जाह्नवी कपूर से जुड़े अश्लील और आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 552 URLs से ऐसा कंटेंट हटाने का आदेश दिया है, जिसमें अभिनेत्री की पहचान और तस्वीरों का कथित तौर पर अश्लील इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, करीब 6,884 URLs को एक साथ हटाने की मांग कोर्ट ने नहीं मानी। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि अलग-अलग तरह के कंटेंट पर एक जैसा आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ किसी सेलिब्रिटी के नाम या तस्वीर वाले हर फैन पेज को गैरकानूनी नहीं माना जा सकता।

बहनों के हुनर को सम्मान, आत्मनिर्भरता को संबल : कलेक्टर ने बिहान स्टॉल से खरीदी राखी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान के संकल्प को साकार कर रही स्व-सहायता समूह की महिलाएं

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने हुनर और मेहनत से विभिन्न उत्पाद तैयार कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में लगाए गए राखी स्टॉल ने इसी महिला सशक्तिकरण की तस्वीर को जीवंत किया।

कलेक्ट्रेट परिसर में बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए राखी स्टॉल पर आज आत्मीय और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने स्टॉल पर पहुंचकर महिलाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार की गई आकर्षक राखियां खरीदीं और उनके हुनर, मेहनत एवं लगन की सराहना की।

कलेक्टर द्वारा स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं से राखी खरीदना उनके लिए विशेष खुशी और प्रोत्साहन का अवसर रहा। महिलाओं ने बताया कि उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को जब प्रशासन और आम नागरिकों का प्रोत्साहन मिलता है, तो उनमें अपने काम को आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास और बढ़ता है। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री से उन्हें आर्थिक लाभ के साथ-साथ अपने हुनर को पहचान दिलाने का अवसर भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान के भाव के अनुरूप प्रदेश में महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता को सम्मान देने का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है। बिहान जैसी पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं समूहों से जुड़कर न केवल अपने लिए रोजगार के अवसर तैयार कर रही हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने महिलाओं द्वारा तैयार की गई राखियों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पाद उनकी मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता की पहचान हैं। ऐसे उत्पादों को प्रोत्साहन देने से ग्रामीण महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिलता है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे स्थानीय स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को प्राथमिकता दें और महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को प्रोत्साहित करें।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बिहान की महिलाओं द्वारा तैयार राखियां केवल भाई की कलाई पर सजने वाला धागा नहीं, बल्कि महिलाओं के हुनर, मेहनत और आत्मनिर्भरता की कहानी भी बयां कर रही हैं। कलेक्टर द्वारा राखी खरीदने की पहल ने इस भावना को और मजबूत किया कि जब स्थानीय उत्पादों को बाजार और समाज का सहयोग मिलता है, तो ग्रामीण महिलाओं की मेहनत को नई पहचान मिलती है। स्टॉल पर मौजूद स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार राखियों की खरीद और सराहना से उनका उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोत्साहन से उन्हें आगे भी नए उत्पाद तैयार करने और अपने समूह को मजबूत करने की प्रेरणा मिलती है।

रक्षाबंधन के इस अवसर पर बिहान की बहनों के हाथों की बनी राखियों ने भाई-बहन के रिश्ते के साथ महिला सम्मान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की बहनें अपने हुनर के दम पर आगे बढ़ें, आर्थिक रूप से सक्षम बनें और सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

खास खबर

आवारा पशुओं को बंधक बनाए जाने के मामले में जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

तहसील दाढ़ी अंतर्गत ग्राम हेमांबद में अनाधिकृत रूप से दिलीप राय द्वारा आवारा/घुमंतू पशुओं को बंधक बनाकर रखे जाने की सूचना जिला प्रशासन को प्राप्त हुई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला स्तरीय संयुक्त जांच दल को मौके पर भेजकर जांच कराई गई। संयुक्त जांच दल द्वारा मौके पर पहुंचकर की गई जांच में शिकायत प्रथमदृष्टया सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति दिलीप राय के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पशुओं के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता, अमानवीय व्यवहार अथवा उन्हें अनधिकृत रूप से बंधक बनाकर रखने की कार्रवाई को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मृत पशुओं की मृत्यु के कारणों की जांच जारी : मौके पर पाए गए पशुओं का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान गांव की सरहद में कुछ मृत पशु भी पाए गए हैं। मृत पशुओं की मृत्यु किन परिस्थितियों एवं किन कारणों से हुई, इसका पता लगाने के लिए तीन पशु चिकित्सकों की टीम गठित कर आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय परीक्षण की कार्रवाई की जा रही है।

जीवित पशुओं का सुरक्षित व्यवस्थापन : मौके पर पाए गए 126 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के पश्चात उन्हें तत्काल वहां से हटाकर जिले की अन्य गौशालाओं में सुरक्षित रूप से व्यवस्थापित किया गया है। संबंधित गौशालाओं में पशुओं के स्वास्थ्य एवं उपचार के लिए विषय-विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चिकित्सकीय दल द्वारा पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक उपचार एवं देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। पशुओं के पूर्ण स्वस्थ होने तक प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण एवं निगरानी की जाएगी तथा चिकित्सकीय दल द्वारा नियमित रूप से अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रस्तुत की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

पूर्व प्रकरण में भी लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई : विदित हो कि पूर्व में भी जिले में घुमंतू/बनेली गायों से संबंधित प्रकरण संज्ञान में आया था। उक्त प्रकरण की जांच के उपरांत संबंधित शासकीय अमले की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। जांच प्रतिवेदन में विभागीय अमले की लापरवाही पाए जाने पर जांच समिति द्वारा विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। समिति की अनुशंसा के आधार पर कलेक्टर द्वारा विभागीय कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए थे।

गुवारा स्कूल में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल, ठेकेदार और उप अभियंता को नोटिस

बेमेतरा। विकासखंड बेमेतरा के शासकीय शाला गुवारा में छत का प्लास्टर गिरने से दो विद्यार्थियों के घायल होने के मामले को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। घटना के बाद गठित संयुक्त जांच टीम की रिपोर्ट में निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी खामियां पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार उप अभियंता के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने संबंधित ठेकेदार को जर्जर छत को तोड़कर गुणवत्तापूर्ण स्लैब का दोबारा निर्माण कराने के निर्देश भी दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 13 जुलाई को शासकीय शाला गुवारा के जर्जर अतिरिक्त कक्ष की छत का प्लास्टर अचानक भरभरा कर गिर गया था। इस दौरान कक्ष में मौजूद दो विद्यार्थी इसकी चपेट में आकर घायल हो गए थे। घटना के तत्काल बाद दोनों बच्चों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर उपचार कराया गया। उपचार के बाद दोनों विद्यार्थी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा मामले की जांच के लिए संयुक्त जांच टीम गठित की गई थी। टीम ने स्कूल भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की। जांच के दौरान निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को संबंधित ठेकेदार तथा जिम्मेदार उप अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

जर्जर कक्ष में लगाया गया ताला : विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूल परिसर के जर्जर अतिरिक्त कक्ष को फिलहाल बंद कर उसमें ताला लगा दिया गया है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए कक्षाओं का संचालन मुख्य भवन के दो सुरक्षित कमरों तथा आंगनबाड़ी भवन में किया जा रहा है। प्रशासन ने संबंधित ठेकेदार को जर्जर छत को तोड़कर निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नया स्लैब तैयार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि भवन का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

रक्षाबंधन से पहले 30वीं किस्त ने बढ़ाई खुशियां संतोषी श्रीवास ने जताया विष्णु भैया का आभार

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि मिलने से महिलाओं में खुशी का माहौल है। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को घर-गृहस्थी की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ त्योहारों की तैयारियों में भी सहयोग मिल रहा है। योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है।

विकासखंड मोहला निवासी संतोषी श्रीवास ने महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को स्नेहपूर्वक विष्णु भैया कहते हुए कहा कि रक्षाबंधन से ठीक पहले राशि मिलने से त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं। संतोषी श्रीवास ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि से उन्हें परिवार की

आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिलती है। घर के छोटे-बड़े खर्च, बच्चों की जरूरतों और त्योहार की तैयारियों में यह राशि उपयोगी साबित हो रही है।

रक्षाबंधन के अवसर पर 30वीं किस्त मिलने को श्रीवास ने खास बताया। उन्होंने कहा कि इस राशि से वे राखी सहित त्योहार की जरूरी तैयारियां कर पा रही हैं। भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के इस खास अवसर पर महतारी वंदन योजना की राशि उनके लिए आर्थिक मदद के साथ खुशी का माध्यम भी बनी है। उन्होंने कहा कि पहले अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परिवार के बजट पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना के तहत मिलने वाली राशि से वे अपने स्तर पर कई जरूरी खर्च पूरे कर लेती हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महसूस करने के साथ परिवार की जरूरतों में सहयोग करने का अवसर भी मिलता है।

संतोषी श्रीवास ने कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है। यह राशि महिलाओं को अपने परिवार की जरूरतों में भागीदारी निभाने और जरूरी खर्चों को पूरा करने में सहयोग दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यविष्णु भैयाह्न द्वारा बहनों के हित में संचालित महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त रक्षाबंधन के अवसर पर खुशियों का उपहार लेकर आई है।

जिला स्तरीय दिव्यांग प्रमाणीकरण शिविर आज

बस्तर मुन्ने अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मानपुर में जिला स्तरीय दिव्यांग प्रमाणीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग पेंशन की समीक्षा के दौरान सामने आया कि जिले में कई पात्र दिव्यांग हितग्राहियों के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध नहीं है। इसके कारण पात्र हितग्राहियों को दिव्यांग पेंशन का लाभ दिलाने में विलंब हो रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए शिविर किया जा रहा है। शिविर में चिन्हांकित पात्र दिव्यांगजनों का आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण कर दिव्यांगता का प्रमाणीकरण किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों के यूडीआईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। शिविर में शामिल होने वाले हितग्राहियों को एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। फोटो ऐसी होनी चाहिए, जिससे दिव्यांगता की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग ने संबंधित जनपद पंचायतों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के चिन्हांकित दिव्यांगजनों को निर्धारित तिथि पर शिविर स्थल तक पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों का प्रमाणीकरण कर उन्हें शासन की योजनाओं और पेंशन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ दिलाना है।

मानपुर में आयोजित होगा जिला मेडिकल बोर्ड

जिला चिकित्सालय मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को आयोजित होने वाला जिला मेडिकल बोर्ड इस माह सार्वजनिक अवकाश के कारण निर्धारित तिथि से एक दिन पहले 25 अगस्त 2026, मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मानपुर में किया जाएगा। इस दौरान दिव्यांगता एवं जिला मेडिकल बोर्ड से संबंधित हितग्राहियों की चिकित्सकीय जांच की जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। जांच एवं प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। इनमें डॉ. बी.के. बनर्जी (मनोरोग विशेषज्ञ), डॉ. खुमान सिंह मंडावी (मेडिसीन विशेषज्ञ), डॉ. अनिल महाकालकर (अस्थिरोग विशेषज्ञ), डॉ. बी.एल. तुलावी (नाक, कान एवं गला विशेषज्ञ) तथा डॉ. राकेश रामटेके (शिशुरोग विशेषज्ञ) शामिल हैं। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित हितग्राहियों से निर्धारित तिथि पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर पहुंचकर आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की है।

जनदर्शन में कलेक्टर ममगाई ने सुनी लोगों की समस्याएं, 37 आवेदन प्राप्त

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के तहत आज कलेक्टोरेट परिसर में जनदर्शन हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामों से पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों में अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई, वहीं कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को तत्काल उपस्थित होकर समाधान की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सरल एवं तात्कालिक प्रकृति के कई मामलों का निराकरण मौके पर ही किया गया।

आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 37 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, खाद्य, विद्युत, शिक्षा तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रकरण शामिल रहे। जिन मामलों में विस्तृत जांच अथवा विभागीय प्रक्रिया आवश्यक है, उन्हें नियमानुसार समय-सीमा (टीएल) में दर्ज कर शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, वृद्धावस्था एवं निराश्रित पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, भूमि संबंधी विवाद, सीमांकन, नामांतरण, कटा हुआ रकबा जोड़ने, आम रास्ता खुलवाने, खाद गड्ढा हटाने, पेयजल, विद्युत एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं का यथासंभव शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का नियमित अनुश्रवण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

एग्रीस्टेक पंजीयन के लिए लगाए शिविर - कलेक्टर, राजस्व प्रकरणों के निराकरण व स्वामित्व योजना में लाएं प्रगति

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी, डिप्टी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने एग्रीस्टेक पंजीयन की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर विशेष शिविर लगाए जाएं। उन्होंने किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन के महत्व की जानकारी देते हुए जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी किसान पंजीयन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक पंजीयन होने से किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि बेहतर प्रगति के लिए अधिकारी एवं कर्मचारी बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनसामान्य की सुविधा के लिहाज से राजस्व से जुड़े कार्य हमारी प्राथमिकता हैं। राजस्व से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अविवादित खाता विभाजन, विवादित खाता विभाजन, अविवादित नामांतरण, विवादित नामांतरण, नक्शा बटांकन एवं डायवर्सन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार लंबे समय से लंबित प्रकरणों का अतिशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पटवारियों की बैठक लेकर उनके स्तर पर लंबित कार्यों के निराकरण के निर्देश भी दिए।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि सर्वे कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जाए, ताकि सर्वे का कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो सके। इस दौरान उन्होंने निस्तार पत्रक अंतर्गत आस्था केंद्र की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर मुन्ने अभियान के अंतर्गत आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के सर्वे कार्य की भी समीक्षा की तथा उक्त कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बने खाबो, बने रहिबो 2.0 अभियान | बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करने वालों पर भी रहेगी नजर

मिठाइयों में मिलावटी रोकने प्रशासन सजग, लिया गया नमूना

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजारों में विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री और मिठाइयों की बिक्री बढ़ गई है। ऐसे समय में खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभागीय टीम द्वारा नियमित निरीक्षण और नमूना संकलन की कार्रवाई की जा रही है।

जिले में बने खाबो, बने रहिबो 2.0 अभियान के तहत तथा त्यौहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा मिठाई निर्माण स्थलों, मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को खाद्य परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का प्रयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए विभागीय टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से खोवा, मथुरा पेड़ा, रसगुल्ला, पेड़ा, नमकीन सेव, कुंदा, चमचम, बेसन लड्डू एवं सोन पापड़ी सहित अन्य मिठाइयों के नमूने संकलित किए हैं। अभिहित अधिकारी आशीष यादव एवं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू कुर्रे ने बताया कि संकलित नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि कोई खाद्य पदार्थ अमानक पाया जाता है, तो संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

त्यौहारी सीजन के दौरान अक्सर त्यौहार से एक-दो दिन पहले सड़क किनारे अस्थायी पंडाल लगाकर मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री के स्टॉल लगाए जाते हैं। इनमें कई लोग बिना खाद्य लाइसेंस या पंजीयन के खाद्य कारोबार करते हैं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 के अनुसार वैध खाद्य लाइसेंस अथवा खाद्य पंजीयन के बिना खाद्य कारोबार करना दंडनीय है। विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों से नियमानुसार वैध लाइसेंस या पंजीयन प्राप्त करने की अपील की है।

जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने उपभोक्ताओं से बाजार में खुले एवं अमानक खाद्य पदार्थों के उपयोग से बचने की अपील की है। कोई भी खाद्य सामग्री खरीदने से पहले उसके पैकेट पर अंकित लेबल, निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि (एक्सपायरी) एवं अन्य आवश्यक जानकारी अवश्य जांचने की सलाह दी गई है।

सचिव डॉ. बसवराजु ने आईटीआई, सीजीआईटी, कौशल विकास और रोजगार विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने आईटीआई, सीजीआईटी, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल उपस्थित रहे।

सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने शैक्षणिक संस्थाओं के लिए आवश्यक भवन निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईटीआई में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जानकारी ली और अधिक से अधिक युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पिपरिया में आईटीआई के लिए चिन्हांकित स्थल की समीक्षा करते हुए बेहतर और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीजीआईटी में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए प्रवेश से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। रोजगार विभाग की गतिविधियों और जिले में रोजगार की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सचिव डॉ. बसवराजु ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नियमित रूप से रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। रोजगार मेलों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को निजी एवं अन्य क्षेत्रों में रोजगार से जोड़ने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने जिले में कौशल विकास से संबंधित संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, युवाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण के बाद रोजगार से जोड़ने की स्थिति की जानकारी ली।

विद्यालय में टॉयलेट की मांग को लेकर सड़कों पर उतरीं छात्राएं, लंबा जाम से राहगीर हुए परेशान

शिक्षा मंत्री के गृह जिले में छात्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित, म्तहसीलदार ने छात्राओं को दी समझाइश देकर मामले को कराया शांत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पाटन

छत्तीसगढ़ के सेलूद स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार 25 अगस्त सुबह स्कूल में पर्याप्त शौचालय की सुविधा नहीं होने के विरोध में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थी दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग के बजरंग चौक पर पहुंच गए और सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। छात्रों के सड़क पर बैठने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। विद्यार्थियों का कहना था कि स्कूल में शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर छात्राओं के लिए यह समस्या और गंभीर है। छात्रों ने साफ कहा कि लंबे समय से समस्या बताने के बावजूद समाधान नहीं होने के कारण उन्हें मजबूर होकर सड़क पर उतरना पड़ा।

प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं ने स्कूल में जल्द शौचालय निर्माण कराने के साथ जिम्मेदार अधिकारियों और मंत्रियों को मौके पर बुलाने की मांग रखी। विद्यार्थियों का आरोप था कि वे अपनी समस्या कई स्तरों पर पहुंचा चुके हैं।

सांसद से लेकर शिक्षा विभाग के जिम्मेदार लोगों तक शिकायत और मांग रखे जाने के बावजूद उन्हें अब तक ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली। छात्रों का कहना था कि उन्हें लगातार आश्वासन तो दिए गए, लेकिन स्कूल में शौचालय की समस्या दूर करने के लिए काम शुरू नहीं हुआ। इसी वजह से विद्यार्थियों में नाराजगी बढ़ती गई। आखिरकार मंगलवार सुबह उन्होंने चक्काजाम कर अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने का फैसला लिया। छात्रों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि स्कूल की जरूरी सुविधा की ओर अधिकारियों का ध्यान दिलाना है।

मंत्री के गृह जिले में बुनियादी सुविधा पर सवाल : यह मामला छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री के गृह जिले से जुड़ा होने के कारण और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाता है, लेकिन सेलूद के स्कूल में शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा को लेकर छात्रों का सड़क पर उतरना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। विद्यार्थियों का कहना है कि स्कूल में पढ़ाई के साथ जरूरी सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। छात्राओं के लिए पर्याप्त और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था विशेष रूप से जरूरी है। छात्रों ने इसी समस्या को लेकर अपनी नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांग की कि निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए और उन्हें केवल आश्वासन देकर मामला खत्म न किया जाए। छात्रों के मुताबिक, समस्या काफी समय से बनी हुई है और अब वे इसका स्थायी समाधान चाहते हैं।

तहसीलदार मौके पर पहुंचे, निर्माण का आश्वासन : चक्काजाम की जानकारी मिलने के बाद पाटन तहसीलदार रसतोगी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी समस्या को सुना। स्थिति को देखते हुए तहसीलदार ने छात्रों को जल्द शौचालय बनवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्कूल परिसर में शौचालय निर्माण के लिए जगह का निरीक्षण करने की बात भी कही। प्रशासन की ओर से आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और वापस स्कूल लौट गए।

अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से सड़क पर बनी स्थिति सामान्य हुई और वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। हालांकि विद्यार्थियों ने साफ किया कि वे अब निर्माण कार्य शुरू होने का इंतजार करेंगे। उनका कहना है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा अपनी मांग उठाने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

छात्रों ने कहा- मजबूरी में उठाना पड़ा यह कदम : प्रदर्शन में शामिल विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने अपनी समस्या को बड़े अधिकारियों और मंत्रियों तक पहुंचाने के लिए कई प्रयास किए थे। जब कहीं से ठोस समाधान नहीं मिला तो उन्होंने चक्काजाम का फैसला लिया। छात्रों के अनुसार, वे सुबह करीब साढ़े नौ बजे सड़क पर बैठे और अपनी मांग रखी। विद्यार्थियों का कहना है कि स्कूल में शौचालय जैसी जरूरी सुविधा का होना कोई बड़ी मांग नहीं है। यह बच्चों की बुनियादी जरूरत है और इसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए। फिलहाल प्रशासन ने निर्माण कराने का भरोसा दिया है। अब देखना होगा कि आश्वासन के बाद शौचालय निर्माण का काम कितनी जल्दी शुरू होता है। छात्रों का प्रदर्शन भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन इस घटना ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिव महापुराण कथा के सफल आयोजन के बाद दया सिंह का चौक नामकरण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाल ही में जयंती स्टेडियम भिलाई में सात दिवसीय भव्य शिव महापुराण कथा का सफल आयोजन कराने वाले बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष तथा निगम के उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उनके द्वारा प्रस्तुत केनाल रोड स्थित प्रमुख तिराहों एवं चौकों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव को नगर पालिक निगम भिलाई की सामान्य सभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

वार्ड-44 के पार्षद दया सिंह ने शिवाजी नगर जोन-4 क्षेत्र के केनाल रोड स्थित प्रमुख चौकों और तिराहों के नामकरण का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव के अनुसार केनाल रोड जीरो प्वाइंट का नाम गणेश तिराहा चौक, क्रांति मार्केट चौक का नाम शहीद भगत सिंह चौक तथा जी.ई. रोड से श्रीराम चौक जाने वाले चौक का नाम बोलबम चौक रखा जाएगा।

सामान्य सभा में प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सभी पक्षों के पार्षदों ने सहमति व्यक्त की और इसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। दया सिंह ने कहा कि इन नामों से क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। शहीद भगत सिंह के नाम पर चौक का नामकरण युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा देगा, वहीं गणेश तिराहा चौक और बोलबम चौक स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक बनेंगे। निगम के इस निर्णय का क्षेत्रवासियों ने स्वागत करते हुए इसे जनभावनाओं के अनुरूप कदम बताया है।

देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका, SLP खारिज, 31 अगस्त से चुनाव याचिका पर ट्रायल

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली/बिलासपुर

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनकी SLP (Civil) No. 28778/2026 खारिज कर दी। इसके साथ ही 31 अगस्त से हाईकोर्ट में चुनाव याचिका के निर्णायक ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 30 जून 2026 के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

क्या है मामला? : यह मामला चुनाव याचिका क्र. 9/2024 से जुड़ा है, जिसमें 2023 के भिलाई नगर (क्र. 65) चुनाव को चुनौती दी गई है। याचिका में नामांकन शपथ-पत्र में जानकारी छिपाने और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के उल्लंघन के आरोप हैं। यह चुनाव करीब 1200 वोटों के अंतर से तय हुआ था।

दूसरी बार राहत नहीं : देवेंद्र यादव ने हाईकोर्ट में Order XIV Rule 2 के तहत I.A. 18/2026 दाखिल कर दो मुद्दों को प्रारंभिक मुद्दा मानने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इससे पहले Order VII Rule 11 के तहत याचिका खारिज कराने की कोशिश भी नाकाम रही थी। उससे जुड़ी SLP No. 6306/2025 को सुप्रीम कोर्ट 24 फरवरी 2026 को खारिज कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट में देवेंद्र यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और अडफ सुमीर सोढ़ी ने पैरवी की।

अब मामला तकनीकी आपत्तियों से निकलकर साक्ष्य और गवाहों की परीक्षा के दौर में पहुंच गया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से निर्वाचन निरस्त नहीं हुआ है, अंतिम फैसला हाईकोर्ट के ट्रायल के बाद ही आएगा।

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी राजनांदगांव के वरिष्ठ एवं लोकप्रिय पत्रकार अजय सोनी का चर्चित साप्ताहिक कॉलम "शहरनामा" अब से संध्या दैनिक नई दृष्टिबिन्दु में नियमित प्रकाशित होगा। शहर की धड़कन, शहर के मुद्दे, और शहर की अनकही कहानियां – बेबाक अंदाज में। हर बुधवार, सिर्फ नई दृष्टिबिन्दु में पढ़ना न भूलें – "शहरनामा"।

स्कॉर्पियो की टक्कर से पिता-पुत्र सहित 3 की मौत

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

दो बाइक भिड़ंत में 2 युवकों की गई जान

जिले में मंगलवार को दो भीषण सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। पहले हादसे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दूसरे हादसे में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवकों ने दम तोड़ दिया।

खोडरी मोड़ पर स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर

पहला हादसा कुसमुंडा थाना क्षेत्र के खोडरी मोड़ के पास दोपहर करीब 3 बजे हुआ। हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सरईसिंगार निवासी फूल सिंह (58 वर्ष) पिता दौलत सिंह, उनका बेटा नरसिंह सिंह (24 वर्ष) और रिश्तेदार यशवंत सिंह पिता स्व. कमल सिंह बाइक क्रमांक सीजी 12 बीजे 5644 पर सवार होकर गेवरा की ओर जा रहे थे।

विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 12 बीयू 2420 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फूल सिंह और नरसिंह सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल यशवंत सिंह को डायल-112 की मदद से मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक ही गांव के तीन लोगों की मौत से सरईसिंगार में शोक पसर गया है।

सर्वमंगला में दो बाइकों की भिड़ंत, दो की मौत

दूसरा हादसा सर्वमंगला चौकी क्षेत्र में शाम को हुआ। सर्वमंगला-कनवेरा मार्ग पर जोड़ा पुल के पास दो बाइकों में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। एक बाइक पर तीन और दूसरी पर दो लोग सवार थे। हादसे में पांचों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खम्हरिया लुटरा निवासी देवी प्रसाद निषाद और खिसोरा निवासी कोमल के रूप में हुई है। तीन अन्य घायलों का इलाज जारी है, जिनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100